कोटद्वार, बुधवार
30 जुलाई 2025
वर्षः 47
अंकः 90 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

ऑपरेशन महादेव में मारे गए पहलगाम हमले में शामिल तीनों आतंकवादी

संसद में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का खुलासा

नईदिल्ली, संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में शुरू हुई ऑपरेशन सिंदूर पर बहस में मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सदन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले जम्मू–कश्मीर में मंगलवार को भारतीय सेना की ओर से चलाए गए ऑपरेशन महादेव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहलगाम की बैसरन घाटी में निदोष पर्यटकों को मारने वाले तीनों आतंकी इस ऑपरेशन में मारे गए। इन तीनों में से 2 पाकिस्तानी थे और इसके सबूत भी हैं। गृह मंत्री शाह ने कहा, जिन आतंकियों ने पहलगाम की बैसरन घाटी में हमारे 26 निदोष पर्यटकों की हत्या की थी, उन तीनों आतंकवादियों को हमारी सेना ने श्रीनगर दाचीगाम इलाके के लिडवास में महादेव पहाड़ी पर मुठभेड़ के दौरान मार गिराया है। उन्होंने कहा, सेना की कार्रवाई में मारा गया आतंकी हाशिम मूशा पाकिस्तानी सेना की विशेष सेवा समूह (एसएसजी) का पूर्व पैरा–कमांडो था और लश्कर–ए–तैयबा

(एलईटी) का कमांडर भी था। अन्य दो में से एक भी पाकिस्तानी था। गृह मंत्री शाह ने कहा, पहलगाम आतंकी हमला दोपहर 1 बजे हुआ और मैं शाम साढ़े 5 बजे श्रीनगर में उतर चुका था। 23 अप्रैल को एक सुरक्षा मीटिंग की गई, जिसमें आतंकियों को भागने न देने का निर्णय किया गया। उन्होंने कहा, हमें दाचिगाम में आतंकियों की मौजूदगी का पता चला। इसके बाद 4 पैरा, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जम्मू–कश्मीर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर तीनों आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया। गृह मंत्री शाह ने कहा, सेना, सीआरपीएफ और इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल कर आतंकियों की मौजूदगी का पता लगाने में जुटे रहे। 22 जुलाई को इसमें सफलता मिली और आतंकियों के दाचीगाम इलाके की महादेव पहाड़ी पर होने की पुष्टि गई। इसके बाद ऑपरेशन चलाकर उनका खात्मा कर दिया गया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन में पाकिस्तानी आतंकी हाशिम मूसा, अफगान और जिब्रान मारे गए हैं। उनकी मदद करने वालों की भी पहचान कर ली गई है। गृह मंत्री शाह ने कहा, पहलगाम हमले के बाद मौके से मिले कारतूसों की हमने चंडीगढ़ एफएसएल में जांच कराकर रख ली थी। इसके बाद ऑपरेशन महादेव में मारे गए आतंकियों के पास से मिले हथियार और कारतूसों को भी जांच के लिए चंडीगढ़ एफएसएल में भेजा गया था।

एक नजर

उत्तरकाशी में 11 आंतरिक सड़कों पर आवागमन बाधित

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले में बारिश के कारण 11 आंतरिक सड़कें आवाजाही के लिए बंद पड़ी हैं। जगह–जगह भूस्खलन से मलबा व पत्थर गिरने के कारण इन सड़कों पर लंबे समय से आवागमन बंद है। इनमें कुपड़ा–कुंसाला मोटरमार्ग और नौगांव–गजोली, भंकोली–अगोड़ा मार्ग पिछले एक माह से बाधित पड़े हैं। जिस कारण ग्रामीणों को आवागमन संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भटवाड़ी ब्लॉक के अस्सी गंगा घाटी को जोड़ने नौगांव गजोली, भंकोली–अगोड़ा और भंगेली कुज्जन तिहार मोटरमार्ग लगभग एक माह से आवाजाही के लिए बंद हैं। जिस कारण अस्सी गंगा घाटी के अगोड़ा, भंकोली, कैलसू, डासड़ा, नौगांव व गजोली सहित विभिन्न गांव के ग्रामीणों को आवागमन संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओजरी के समीप कुंसाला–कुपड़ा मोटरमार्ग भी अभी तक आवाजाही के लिए सुचारू नहीं हो सका। इस मार्ग पर भी एक माह से आवाजाही बंद है। ऐसे में ग्रामीणों को पैदल आवागमन करना पड़ रहा है। वहीं मंगलवार को पुरोला में कालसी–बिंसारी मोटरमार्ग पर मलबा आने से आवाजाही बंद हो गई। इसके अलावा मोरी ब्लॉक में जखोल–लिवाड़ी मार्ग पर कुछ दिन पहले हुए भूधंसाव के कारण मार्ग बंद है। पैदल आवाजाही भी मार्ग पर मुश्किल बना हुआ है। लोग जान जोखिम में डालकर सफर तय करने को मजबूर हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गुसांई ने बताया कि मार्गों को खोलने के लिए विभागीय जेसीबी मशीनें और मजदूर लगातार कार्य में जुटे हैं। कुछ मार्गों पर बड़ा हिस्सा डैमेज होने की वजह से मार्ग खोलने में कई दिन का समय लग सकता है।

दो नाबालिग बहनों के साथ छेड़छाड़, केस दर्ज

रुड़की। घर के आंगन में खेल रही नौ वर्षीय और 14 वर्षीय दो मासूम बहनों के साथ गांव के ही एक आरोपी ने छेड़छाड़ कर दी। पीड़ित बच्चियों ने आपबीती अपनी मां को बताई, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ा। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता के पिता के साथ गाली–गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 22 जुलाई को दोनों नाबालिग बहनें अपने घर के आंगन में खेल रही थीं। इसी दौरान गांव के ही एक 36 वर्षीय आरोपी ने बच्चियों के साथ अश्लील हरकतें की। बच्चियों ने डर और सहम के बीच अपनी मां को इस घटना की जानकारी दी। मां ने तुरंत अपने पति को बताया। पिता ने जब आरोपी से इस घटना का विरोध किया तो आरोपी ने उल्टा उनसे अभद्र व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इंस्पेक्टर शांति कुमार गंगवार ने बताया कि नामजद किए गए आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

पुरुषों ने परिवार नियोजन में नहीं दिखाई रुचि, जिले में सिर्फ 53 नसबंदी

रुद्रपुर। जिले के पुरुष परिवार नियोजन में खास रुचि नहीं दिखा रहे हैं। इसकी बानगी 11 से 18 जुलाई के बीच चलाए गए विश्व जनसंख्या नियंत्रण स्थिरीकरण पखवाड़ा के तहत देखने को मिली, जिसमें जिले में 53 महिलाओं ने नसबंदी कराई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के तहत सभी विकासखंडों में शिविर लगाए गए थे, जिसमें जसपुर में 8, काशीपुर में 11, बाजपुर में 14, गदरपुर में 4, रुद्रपुर में 11, किच्छा में 5 महिलाओं ने नसबंदी कराई। हालांकि, सितारगंज व खटीमा में किसी ने भी परिवार नियोजन में रुचि नहीं ली। बताया कि नसबंदी एक सुरक्षित व प्रभावी परिवार नियोजन विधि है। महिला नसबंदी की अपेक्षा पुरुष नसबंदी आसान है। बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए सभी को परिवार नियोजन की तरफ बढ़ना चाहिए। इस संबंध में विभाग लोगों को नसबंदी के लाभों के बारे में जागरूक करने के लिए और अधिक प्रयास करेगा।

स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा में 7 सेक्शन पीएसी और 28 जवान तैनात

रुद्रपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के शांतिपूर्ण संपन्न होने के बाद अब मतपेटियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने मंगलवार को खटीमा, सितारगंज और रुद्रपुर में बनाए गए स्ट्रांग रूम और मतगणना स्थलों का निरीक्षण किया। वहीं सुरक्षा में 7 सेक्शन पीएसी और 28 जवानों को तैनात किया गया है। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने निरीक्षण के दौरान कहा कि स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जवानों को पूरी मुस्तैदी और सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता बनाने के लिए प्रत्येक स्ट्रांग रूम में एक सेक्शन पीएसी और एक सशस्त्र गार्द की तैनाती की गई है। सशस्त्र गार्द में एक हेड कांस्टेबल और तीन कांस्टेबल शामिल हैं। जिले के सातों रूमों में कुल 7 सेक्शन पीएसी के साथ 7 हेड कांस्टेबल और 21 कांस्टेबल, यानी कुल 28 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा स्ट्रांग रूम परिसरों में सीसीटीवी कैमरों से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स में अग्निवीरों की होगी तैनाती : धामी

● अंतर्राष्ट्रीय टाइगर दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री की घोषणा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंतर्राष्ट्रीय टाइगर दिवस के अवसर पर घोषणा की है कि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में स्थापित की जा रही टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स में उत्तराखंड के अग्निवीरों को सीधी तैनाती दी जाएगी। टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स में 80 से अधिक युवाओं की भर्ती होगी। इस बल का प्राथमिक उद्देश्य बाघों और उनके आवास की सुरक्षा को मजबूत करना है। इससे न केवल बाघ संरक्षण प्रयासों को मजबूती मिलेगी, बल्कि अग्निवीर योजना के तहत प्रशिक्षित युवाओं को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा की इस फोर्स की स्थापना से वृहद बाघ संरक्षण के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी तथा अवैध शिकार पर रोक लगेगी। टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स का मुख्य काम बाघों के अवैध शिकार को रोकना होगा। प्रशिक्षित जवान वन क्षेत्रों में गश्त

करेंगे, खुफिया जानकारी इकट्ठा करेंगे और शिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। इससे वन्यजीव अपराधों पर नियंत्रण के साथ ही यह फोर्स वन और वन्यजीव से संबंधित अन्य अपराधों जैसे लकड़ी की तस्करी, अवैध खनन और अतिक्रमण पर भी नियंत्रण रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाघों के प्राकृतिक आवास का संरक्षण भी महत्वपूर्ण है। यह फोर्स वनों की कटाई और उनके आवास को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को रोकने में मदद करेगी तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष का प्रबंधन में भी सहयोगी बनेगी। उन्होंने कहा कि कई बार बाघ आबादी वाले क्षेत्रों में आ जाते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष होता है। यह फोर्स ऐसी स्थितियों को संभालने और नियंत्रित करने में प्रशिक्षित होगी, ताकि दोनों पक्षों को नुकसान न हो। इस फोर्स को आधुनिक निगरानी तकनीकों, जैसे ड्रोन, थर्मल इमेजिंग और जीपीएस ट्रैकिंग से लैस किया जा सकता है, जिससे उनकी दक्षता बढ़ेगी।

बाघ संरक्षण में भारतीय सेना (अग्निवीरों) की भागीदारी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड के अग्निवीरों की सीधी तैनाती बाघ संरक्षण में भारतीय सेना (या सेना से प्रशिक्षित कर्मियों) की भागीदारी का एक अनूठा उदाहरण है। अग्निवीर भारतीय सेना द्वारा कठोर अनुशासन और प्रशिक्षण से गुजर चुके होते हैं। यह प्रशिक्षण उन्हें शारीरिक रूप से फिट, मानसिक रूप से मजबूत और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार करता है।

मंडी में फिर मची तबाही: फ्लैश फ्लड से दो लोगों की मौत

मंडी , हिमाचल प्रदेश के मंडी में एक बार फिर तबाही मची है। लगातार बारिश के कारण फ्लैश फ्लड की घटना में मंगलवार को दो लोगों की जान चली गई। सोमवार रात से हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। मंडी में भी भारी बारिश के कारण नदी–नाले उफान पर हैं। इसी बीच फ्लैश फ्लड की घटना हुई। फिलहाल जिला प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। जानकारी के मुताबिक, मंडी के जेल रोड इलाके में अपनी गाड़ियों को निकालने के लिए कुछ लोग नाले के पास पहुंचे थे। इसी दौरान वे फ्लैश फ्लड की चपेट में आ गए। दो लोगों के शवों को निकाला जा चुका है, जबकि एक व्यक्ति का शव गाड़ियों के बीच फंसे होने की संभावना है। तस्वीरों में नजर आया कि सड़कों पर पानी और मलबा दरिया की तरह बह रहा है। मंडी में मूसलधार बारिश के चलते कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात हैं। जेल रोड इलाके में पहाड़ों से पानी के साथ गाद और कीचड़

जैसा मलबा नीचे आया, जिसमें दर्जनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। मूसलाधार बारिश सोमवार रात करीब 11 बजे शुरू हुई और सुबह 4 बजे तक तेज हो गई, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। बताया जाता है कि सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक मंडी का जोनल अस्पताल है, जहां नाले ओवरफ्लो होने के कारण परिसर में पानी भर गया। फ्लैश फ्लड और भूस्खलन के कारण जिले में कई रास्ते बंद हुए हैं। गंभीर हालातों के बाद कुछ क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों के लिए भी खतरा बढ़ गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, 28 जुलाई की शाम तक राज्यभर में 200 सड़कें अवरुद्ध रहीं। 20 जून से 28 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश में 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। 90 मौतें सीधे तौर पर भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और बादल फटने जैसी घटनाओं के कारण हुईं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बाकी 74 मौतें इसी अवधि के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में हुईं।

डिलीवरी के बाद महिला की हालत बिगड़ी, मौत

रुद्रपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डिलीवरी के बाद प्रसूता की हालत बिगड़ गई। जिसके बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। ग्राम नजीमाबाद निवासी सतपाल पुत्र रामदयाल मेहनत मजदूरी करने का काम करता है। उसकी पत्नी 32 वर्षीय किरन देवी गर्भवती थी और उसकी तीसरी डिलीवरी थी। बीते रविवार सतपाल ने अपनी पत्नी किरन देवी को प्रसव पीड़ा के चलते सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया था। किरन ने सुबह साढ़े सात बजे एक बच्चे को जन्म दिया। डिलीवरी बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। बताया जा रहा है कि किरन की हालत में सुधार नहीं होने पर चिकित्सकों ने उसे सुबह नौ बजकर चालीस मिनट जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दरऊ पुलिस चौकी इंचार्ज हेमचंद्र तिवारी ने बताया कि नवजात पूरी तरह स्वस्थ्य है।

13,991 दिव्यांग बच्चों के उम्मीद की किरण बनी योगी सरकार

● एस्कॉर्ट अलाउंस योजना से देगी शैक्षिक मजबूती

लखनऊ , जब एक दिव्यांग बच्चा अकेले स्कूल नहीं जा सकता, तब शिक्षा महज किताबों की बातें रह जाती है। लेकिन उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की समग्र शिक्षा योजना इस मौन पीड़ा को समझती है। अब सरकार ने वर्ष 2025–26 में परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों के कक्षा–1 से 8 तक के 13,991 गंभीर और बहु–दिव्यांग छात्र–छात्राओं को एस्कॉर्ट अलाउंस योजना के अंतर्गत 839.46 लाख रुपए की सहायता देने का फैसला लिया है और उनमें शिक्षा के प्रति भरोसा को एक बार फिर लौटाने का काम किया है। सरकार ने यह भी जताने का प्रयास किया है कि शिक्षा सबकी और सबके लिए है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि यह योजना, आर्थिक सहायता तो है ही, एक सोच भी है। ताकि

कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों में दया, दृष्टि और दृष्टिकोण तीनों का समन्वय है। समावेशी शिक्षा के इस मॉडल में तकनीक और संवेदना साथ साथ चल रही हैं। क्योंकि शिक्षा तब ही सार्थक है, जब वह हर बच्चे तक पहुंचे। चाहे वह चल सके या न चल सके।एस्कॉर्ट अलाउंस की इस योजना के तहत दृष्टिहीन, बौद्धिक रूप से दिव्यांग, सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित और जेई/एईएस प्रभावित बच्चों को 600 रुपए प्रतिमाह की दर से 10 माह तक डीबीटी के माध्यम से सहायता दी जाएगी, ताकि वे नियमित रूप से स्कूल आ सकें। केवल वित्तीय सहायता नहीं, यह समावेशी शिक्षा की ओर एक ठोस कदम है, जिसमें प्रेरणा पोर्टल से लेकर पीएफएमएस प्रणाली तक एक साथ चलते हैं, जिसमें तकनीक, पारदर्शिता और करुणा का समन्वित रूप है। यह एक नीतिगत निर्णय के साथ संवेदनशील शासन की पहचान है, जहां वह बच्चा भी पढ़ने के सपने देख सकता है, जो चलने–फिरने तक में अक्षम हो।इस योजना की क्रियान्वयन प्रक्रिया में प्रेरणा पोर्टल और समर्थ पोर्टल की महत्वपूर्ण भूमिका है, जहां पहले बच्चों की पात्रता की पुष्टि की जाएगी। 40त्न या उससे अधिक की दिव्यांगता प्रमाणित करने वाले दस्तावेज़ अनिवार्य होंगे और विद्यालयों की नियमित उपस्थिति भी इस योजना की पात्रता की शर्त है।

महाराष्ट्र में कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया के नए नियम, तोड़ने पर होगी कार्रवाई

मुंबई,सोशल मीडिया पर सरकार की आलोचना करने वाले महाराष्ट्र के कर्मचारियों की अब खैर नहीं है। इसको लेकर महाराष्ट्र सरकार ने सोशल मीडिया उपयोग के नए नियम बनाए हैं। इसके तहत अब कर्मचारी योजनाओं को लेकर सरकार पर कोई टीका–टिप्पणी नहीं कर सकेंगे। इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। इसको लेकर सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा कि इससे काम में गोपनीयता आएगी और वे पहले से ज्यादा प्रभावी तरीके और जिम्मेदारी से काम करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा कि फेसबुक, लिंक्डइन, एक्स, यूट्यूब, व्हाट्सऐप और टेलीग्राम जैसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ गया है। साथ ही त्वरित संदेश के बढ़ते प्रचलन और सुविधा ने गोपनीय और भ्रामक जानकारी के प्रसार के खतरे पैदा कर दिए हैं। इसी को देखते हुए सरकार ने

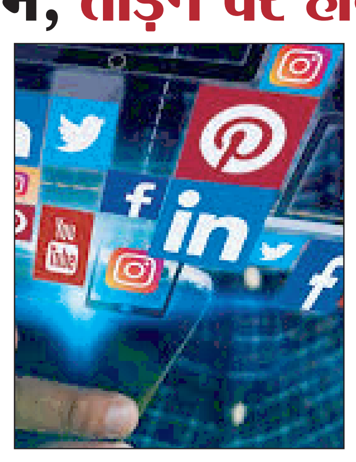

कर्मचारियों को सोशल मीडिया का सचेत और जिम्मेदारी से उपयोग करने के लिए कहा है। नए नियम स्थानीय निकाय, मंडल और सार्वजनिक उपक्रमों के अधिकारी–कर्मचारियों पर लागू होंगे। दिशा–निर्देशों में लिखा है कि अब कर्मचारियों को अपने निजी और आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स को अलग–अलग रखना होगा। उन्हें सरकार की किसी नीति पर प्रतिक्रिया देने और आलोचना करने की मनाही होगी। वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बिना गोपनीय दस्तावेज और जानकारी को किसी के साथ शेयर करने पर भी पाबंदी लगाई गई है। इतना ही नहीं, उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर खुद की तारीफ करने की भी इजाजत नहीं है, लेकिन योजनाओं की प्रशंसा कर सकते हैं। आदेश के अनुसार, आपत्तिजनक और मानहानिकारक कंटेंट शेयर करने, अपलोड करने और उनको फॉरवर्ड करने पर भी पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। साथ ही आपत्तिजनक फोटो पोस्ट, अपलोड और फॉरवर्ड करने, प्रतिबंधित ऐप्स और वेबसाइट का उपयोग करने पर रोक लगाई है। इसके अलावा उन्हें रील्स में सरकारी लोगो या संपत्ति– वाहन या इमारत का वीडियो में इस्तेमाल नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्यसभा में नड्डा–खड़गे के बीच तीखी नोकझोंक

नई दिल्ली ,राज्यसभा में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के दौरान सत्ता और विपक्ष के बीच जमकर तल्खी देखने को मिली। बहस की शुरुआत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। खड़गे ने कहा, जब से बीजेपी सत्ता में आई है, सिर्फ पहलगाम में ही पांच बार आतंकी हमले हो चुके हैं। गृहमंत्री बताएं कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अगर कोई जिम्मेदार नहीं है तो प्रधानमंत्री खुद जवाब दें या गृहमंत्री कुर्सी खाली करें। खड़गे के इस बयान के बाद सदन में सत्ता पक्ष के नेता जेपी नड्डा खड़े हुए। उन्होंने विपक्ष के सवालों का जवाब देने की बात कही, लेकिन साथ ही खड़गे के भाषण पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, मैं देख रहा था कि खड़गे जी हमारे वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन उनके भाषण में जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया गया, वह इस ओर इशारा करता है कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी रोकने को प्राधिकरण का खाका तैयार

देहरादून। निजी स्कूलों की मनमानी को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। हर साल एडमिशन सीजन में तमाम संगठन और अभिभावक मनमानी के खिलाफ मोर्चा तक खोलते आए हैं। उत्तराखंड में निजी स्कूलों की मनमानी रोकने का प्राधिकरण गठन की पैरवी और पहल काफी समय से की जा रही है। तीन साल पहले इस दिशा में कदम भी बढ़े थे, लेकिन अब जाकर उत्तराखंड स्कूल मानक प्राधिकरण का खाका तैयार कर लिया गया है। राज्य में प्रस्तावित स्कूल मानक प्राधिकरण सरकारी और निजी स्कूलों की नियामक संस्था होगी, जिसे शिक्षा, मान्यता, फीस के साथ ही शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन के मुद्दे पर निर्णय लेने का अधिकार मिलेगा। हर बार की तरह इस बार भी जिस तरह से निजी स्कूलों की फीस से लेकर ड्रेस और टीसी लेने के मामलों की शिकायतें शिक्षा विभाग तक पहुंची है, इसे देखते हुए इन तमाम मामलों में स्कूल मानक प्राधिकरण को सीधे हस्तक्षेप करने के अधिकार देने की तैयारी है। एससीईआरटी के अपर निदेशक पदमेंद्र सकलानी के मुताबिक स्कूल मानक प्राधिकरण का खाका तैयार कर लिया गया है। इसे जल्द मंजूरी के लिए शासन को भेजा जाएगा। रिटायर्ड आईएएस को अध्यक्ष बनाने की सिफारिश स्कूल मानक प्राधिकरण में रिटायर्ड आईएएस को अध्यक्ष बनाने की सिफारिश की गई है। पूर्व में जो प्रस्ताव तैयार किया गया था, उसमें हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज को अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव था, लेकिन जो नया खाका तैयार किया गया है, उसमें यह बदलाव हुआ है। 2022 में हुए थे प्राधिकरण बनाने के आदेश पिछले काफी वक्त से प्राधिकरण बनाने की मांग उठ रही थी। जनवरी 2022 में स्कूल मानक प्राधिकरण बनाने के विधिवत आदेश भी सरकार ने जारी कर दिए थे।

वक्फ बोर्ड ने अवैध कब्जेदार के खिलाफ उठाया कदम

भोपाल,मध्य प्रदेश के वक्फ बोर्ड ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने वाले को 28.18 करोड़ रुपये का वसूली का नोटिस जारी किया है। इदारा यतीम खाना के प्रबंधक शाहिद अली खान को भेजा गया यह नोटिस, वक्फ इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा वसूली नोटिस बताया जा रहा है।

खान पर वक्फ नियमों का उल्लंघन करने और झूठा दावा कर वक्फ संपत्ति को अपना बताने और उसे किराये पर देने का आरोप है। मध्य प्रदेश में नवाब शाहजहां बेगम ने 138 साल पहले वक्फ संपत्ति दान की थी। इसका उपयोग भोपाल की संस्था दार उल शफ्कत शाहजहांनी ने निजी तौर पर किया। आरोप है कि आरोपी ने 21 साल से बिना अनुमति इज्तिमा बाजरा लगाया और 200 दुकानों से 24.85 करोड़ रुपये अवैध कमाई की, जिसका कोई लेखा–जोखा नहीं।

यमन में निमिषा प्रिया की मौत की सजा रद्द, भारतीय ग्रैंड मुफ्ती कार्यालय ने दी जानकारी

–मृतक के भाई अब्दुल फत्ताह महदी का इंकार

नईदिल्ली,यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया (38) की फांसी की सजा रद्द होने का दावा किया गया है। यह दावा भारतीय ग्रैंड मुफ्ती अबुबकर मुस्लैयार के कार्यालय ने किया। हालांकि, ये दावा गलत निकला। उन्होंने कहा, निमिषा प्रिया की मौत की सजा, जिसे पहले निलंबित किया गया था, को पलट दिया गया है। सना में आयोजित एक उच्च–स्तरीय बैठक में अस्थायी रूप से निलंबित मौत की सजा को पूरी तरह रद्द करने का फैसला किया गया।

मुफ्ती के कार्यालय ने दावा किया कि प्रसिद्ध सूफी विद्वान शेख हबीब उमर बिन हाफिज की यमनी विद्वानों की टीम ने अंतरराष्ट्रीय राजनयिकों के साथ समझौते की पेशकश की, जिसके बाद फांसी रद्द की गई है। इसके बाद, जिस व्यक्ति की निमिषा ने हत्या की थी, उसके भाई अब्दुल फत्ताह महदी ने दावों को झूठा बताया और पूछा कि कंथापुरम ने किस यमनी संगठन से संपर्क किया। भारत सरकार ने भी फांसी रद्द होने की पुष्टि नहीं की है।

निमिषा केरल के पलक्कड़ जिले की रहने वाली हैं। उनकी मां प्रेमा कुमारी कोच्चि में घरेलू कामगार हैं। नर्स की पढ़ाई करने के बाद निमिषा 2011 में यमन चली गई थीं और यहां 5 साल तक अस्पतालों में काम किया। 2014 में उनकी मुलाकात यमन नागरिक तलाल अब्दो मेहदी से हुई, जिसके बाद 2015 में उन्होंने मिलकर सना में एक क्लीनिक खोला। यमनी कानून के अनुसार, व्यवसाय शुरू करने के लिए स्थानीय व्यक्ति के साथ साझेदारी अनिवार्य है।

साथ काम करने के दौरान मेहदी ने निमिषा को तंग करना शुरू कर दिया। उसने आर्थिक, शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न दिया और उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया। इससे तंग आकर निमिषा ने उसे 2016 में बेहोशी का ओवरडोज इंजेक्शन दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसने एक साथी के साथ मिलकर उसके टुकड़े कर दिए। निमिषा 2017 से जेल में हैं। उसे 16 जुलाई को फांसी होनी थी, लेकिन यमन कोर्ट ने फांसी कुछ दिन टाल दी थी।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी गोलाबारी में अनाथ हुए 22 बच्चों को गोद लेंगे राहुल गांधी

नईदिल्ली,कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी गोलाबारी में अपनों को खोने वाले 22 बच्चों की शिक्षा का जिम्मा लेंगे। यह जानकारी जम्मू–कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हामिद कर्रा ने दी है। उन्होंने बताया कि राहुल ने पुंछ के उन 22 बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने का फैसला किया है, जिन्होंने पाकिस्तानी गोलाबारी में अपने अभिभावक या परिवार के एकमात्र कमाने वाले को खो दिया है। सूत्रों ने कर्रा के हवाले से बताया कि बच्चों के लिए सहायता की पहली किस्त बुधवार को जारी होगी ताकि बच्चे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए राहुल की यह सहायता इनके स्नातक होने तक जारी रहेगी। राहुल ने मई में पुंछ दौरे के दौरान स्थानीय नेताओं से ऐसे बच्चों की सूची तैयार करने को कहा था। पार्टी नेताओं ने सर्वेक्षण और सरकारी रिकॉर्ड की जांच के बाद बच्चों के नाम तय किए हैं।

भारत–पाकिस्तान तनाव के समय जम्मू–कश्मीर का पुंछ शहर सीमा पार गोलाबारी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था। यहां एक धार्मिक स्कूल जिया उल अलूम पर गोलीबारी से 6 बच्चे घायल हुए थे। पीड़ितों में एक बच्चे विहान भार्गव की छर्रे लगने से मौत हो गई थी। राहुल ने क्राइस्ट पब्लिक स्कूल का भी दौरा किया था, जहां 12 साल के जुड़वां बच्चे उरबा फातिमा और जैन अली भी हताहत हुए थे। उन्होंने बच्चों से खूब पढ़ने को कहा था। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकियों ने अचानक हमला कर 26 निदोष पुरुष पर्यटकों का धर्म पूछकर गोली मार दी थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान से राजनयिक रिश्ते तोड़ लिए और सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया।

सम्पादकीय

बाघ संरक्षण में अग्निवीर

भारतीय सेवा की महत्वाकांक्षी योजना अग्नि वीरों की स्थिति को लेकर उत्तराखंड सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है जिसमें जहां एक तरफ बाघों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा तो वही सेना में अपनी सेवाएं देने के बाद अग्नि वीर खाली नहीं बैठेंगे और मेरिट के आधार पर उन्हें बाघ संरक्षण फोर्स में तैनाती दी जाएगी। राज्य सरकार ने इस फोर्स के गठन को लेकर अग्नि वीरों के लिए न केवल एक रास्ता खोला है बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल पैदा की है कि वह अग्नि वीरों के लिए अपने राज्य में परिस्थितियों के अनुसार रोजगार के अवसर उपलब्ध करा सकते है। सरकार के फैसले के बाद उत्तराखंड स्थित कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व में स्थापित की जा रही टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स में उत्तराखंड के अग्निवीरों को सीधी तैनाती दी जाएगी, जिसमें रिक्तियों के अनुसार 80 से अधिक युवाओं की भर्ती होगी। इस बल का प्राथमिक उद्देश्य बाघों और उनके आवास की सुरक्षा को मजबूत करना है। इससे न केवल बाघ संरक्षण प्रयासों को मजबूती मिलेगी बल्कि अग्निवीर योजना के तहत प्रशिक्षित युवाओं को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इस फोर्स की स्थापना से वृहद बाघ संरक्षण के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी तथा अवैध शिकार पर रोक लगेगी टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स का मुख्य काम बाघों के अवैध शिकार को रोकना होगा। प्रशिक्षित जवान वन क्षेत्रों में गशत करेंगे, खुफिया जानकारी इकट्ठा करेंगे और शिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। इससे वन्यजीव अपराधों पर नियंत्रण के साथ ही यह फोर्स वन और वन्यजीव से संबंधित अन्य अपराधों जैसे लकड़ी की तस्करी, अवैध खनन और अतिक्रमण पर भी नियंत्रण रखेगी।यही नहीं वनों की कटाई और उनके आवास को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को रोकने में इस फोर्स की मदद ली जाएगी तथा मानव–वन्यजीव संघर्ष का प्रबंधन में भी सहयोगी बनेगी। उत्तराखंड के कई ग्रामीण क्षेत्र बाघों के आतंक से जूझ रहे हैं, अक्सर जंगली जानवर आबादी वाले क्षेत्रों में आ जाते हैं, जिससे मानव–वन्यजीव संघर्ष होता है। यह फोर्स ऐसी स्थितियों को संभालने और नियंत्रित करने में प्रशिक्षित होगी, ताकि दोनों पक्षों को नुकसान न हो। इस फोर्स को आधुनिक निगरानी तकनीकों, जैसे ड्रोन, थर्मल इमेजिंग और जीपीएस ट्रैकिंग से लैस किया जा सकता है, जिससे उनकी दक्षता बढ़ेगी। उत्तराखंड सरकार का यह प्रयास राज्य के अग्निवीरों की सीधी तैनाती बाघ संरक्षण में भारतीय सैनिकों की भागीदारी का एक अनूठा उदाहरण है। मानसिक और शारीरिक प्रशिक्षण के साथ–साथ हथियारों को चलाने में निपुण अग्नि वीर न केवल बाघ संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएंगे बल्कि वनों में अवैध कटाई और अवैध शिकार जैसी गतिविधियों पर भी रोकथाम लगाने में कारगर सिद्ध होंगे। कार्बेट रिजर्व पार्क भारतीय बाघों के साथ–साथ अन्य वन्य जीवों की का संरक्षण स्थल है और उनका प्राकृतिक आवास भी। प्राकृतिक संतुलन के साथ–साथ इनका संरक्षण भी जरूरी है जो तभी संभव है जब राज्य सरकार जंगलों में संचालित अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाएगी। बाघ संरक्षण में अग्नि वीरों की भूमिका सुनिश्चित करने का यह कदम कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व और उत्तराखंड में बाघों के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी

प्रह्लाद सबनानी

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वषी से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है क्योंकि भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है, परंतु हाल ही के वर्षो में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है।

विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नये विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अतः इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में 'स्वझ् का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है।

अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। 'जेफरीजझ् के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है।

भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सउद्धी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सउद्धी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है।

एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नये रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है।

वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़

अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपये का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। भारत में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग 8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है एवं देश के कुल रोजगार में पर्यटन उद्योग की 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

भारत में प्राचीन समय से धार्मिक स्थलों की यात्रा, पर्यटन उद्योग में, एक विशेष स्थान रखती है।

एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। देश के पर्यटन उद्योग में लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की जा रही है जबकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग केवल 5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज कर रहा है। आज करोड़ों की संख्या में भारतीय, विदेशों में रह रहे हैं। यदि प्रत्येक भारतीय यह पण्रकरे कि प्रतिवर्ष कम–से–कम 5 विदेशी पर्यटकों को भारत भ्रमण के लिए प्रेरणा देगा तो एक अनुमान के अनुसार विदेशी पर्यटकों की संख्या को एक वर्ष के अंदर ही दोगुना किया जा सकता है।

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वषी से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है क्योंकि भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है, परंतु हाल ही के वषी में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है।

विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नये विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अतः इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में 'स्वझ् का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। 'जेफरीजझ् के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं।

यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सउद्धी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सउद्धी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नये रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है।

वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपये का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। भारत में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग 8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है एवं देश के कुल रोजगार में पर्यटन उद्योग की 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

भारत में प्राचीन समय से धार्मिक स्थलों की यात्रा, पर्यटन उद्योग में, एक विशेष स्थान रखती है। एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। देश के पर्यटन उद्योग में लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की जा रही है जबकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग केवल 5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज कर रहा है। आज करोड़ों की संख्या में भारतीय, विदेशों में रह रहे हैं। यदि प्रत्येक भारतीय यह पण्रकरे कि प्रतिवर्ष कम–से–कम 5 विदेशी पर्यटकों को भारत भ्रमण के लिए प्रेरणा देगा तो एक अनुमान के अनुसार विदेशी पर्यटकों की संख्या को एक वर्ष के अंदर ही दोगुना किया जा सकता है।

मंगल कार्य का श्रेय देवेंद्र फडणवीस को

आचार्य पवन त्रिपाठी

महाराष्ट्र के राजनीतिक इतिहास में यशवंतराव चव्हाण को संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के बाद राज्य में मंगल कलश को लाने का श्रेय जाता है। वसंतराव नाईक सबसे लंबे कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहे, लेकिन महाराष्ट्र के कोने–कोने में मंगल कार्य को पहुंचाने का श्रेय अगर किसी को जाता है तो वो वर्तमान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र को विकास की अभूतपूर्व गति प्रदान की है। आज टेस्ला की कार हिन्दुस्तान में लॉन्च होती है तो इस कार का स्वागत करते हुए फडणवीस जी की तस्वीर सबसे पहले प्रकाशित होती है। उनके नेतृत्व में महाराष्ट्र विदेशी प्रत्यक्ष निवेश प्राप्त करने वाला सबसे बड़ा राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र कारोबार में भी शीर्ष पर मौजूद है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में वो परियोजनाएं भी साकार होती दिख रही हैं जो कई दशक से लटकी हुई थीं। उदाहरण की तौर पर मुंबई और न्हावाशेवा को जोड़ने वाले 'अटल सेतुझ् की परिकल्पना 1964 में की गई थी, लेकिन पूरे छह दशक बाद देवेन्द्र फडणवीस जी के ही कार्यकाल में न्हावाशेवा सी लिंक परियोजना की मंजूरी, कार्यान्वयन और लोकार्पण हो सका। इसी तरह से मुंबई की कोस्टल रोड परियोजना की परिकल्पना 1952 में की गई थी। तब से लेकर कई दशक तक ये परियोजना सिर्फ कागजों पर बनी रही। विधान मंडल की प्रश्नोत्तरी में भी बार–बार इस परियोजना पर प्रश्न पूछे गए और सरकार ने इससे जुड़े हर सवाल का सटीक उत्तर दिया। उन्होंने अपने प्रथम कार्यकाल में कोस्टल रोड की परियोजना का शिलान्यास किया और उनके ही कार्यकाल में ही ये योजना लोकार्पित की गई। दो और परियोजनाएं हैं जो हर किसी की नजर में हैं। पहली मुंबई मेट्रो की परियोजना और दूसरी मुंबई में मेट्रो परियोजना का विस्तार। बॉम्बे अर्बन टाउन प्लानिंग 1, जो 1970 के दशक में प्रारंभ हुई। मुंबई में मेट्रो के एक चरण का निर्माण कार्य ही हो पाया। इस परियोजना का एक फेज तो प्रारंभ हो गया, लेकिन मुंबई मेट्रो के कई कॉरिडोर, जैसे–मेट्रो लाइन 2ए, मेट्रो लाइन 7 और मेट्रो लाइन 3, जैसी परियोजनाओं की भी मंजूरी से लेकर लोकार्पण तक देवेन्द्र फडणवीस जी के कार्यकाल में ही संभव हो सका, लेकिन जब ढाई वषी के लिए 2019 से 2022 की कार्यावधि में सीएम फडणवीस सत्ता में नहीं थे तो मेट्रो की इन परियोजनाओं को तत्कालीन उद्धव ठाकरे की सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया था, यार्ड के विवाद के नाम पर परियोजनाएं रोक दी गई थीं, फडणवीस की सरकार बनते ही इस परियोजनाओं को गति मिलना प्रारंभ हुआ। मुंबई ही नहीं नागपुर मेट्रो का भी शुभांरभ उन्हीं के कार्यकाल में हुआ। ठाणे समेत अन्य कई शहरों में मेट्रो की परियोजनाएं चल रही हैं। जब तक वो सीएम नहीं बने थे तब तक अलग राजनीतिक का मुद्दा अक्सर सुर्खियों में छाया रहता था। महाराष्ट्र के विकास के नाम पर राजनीति के साथ सौतेला व्यवहार होता था। कई दशक से राजनीति करने वालों ने जिस तरह से विदर्भ को विकास की हिस्सेदारी से वंचित रखा था, उससे पृथक विदर्भ की मांग गूंज रही थी, लेकिन फडणवीस जी ने मुख्यमंत्री बनते ही 'समृद्धि महामार्ग परियोजनाझ् की संकल्पना प्रस्तुत कर अपने कार्यकाल में ही 700 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस वे को साकार कर दिया। जब से समृद्धि महामार्ग का लोकार्पण हुआ है तब से दोनों की दूरी सिमट सी गई है। इस समृद्धि महामार्ग ने मुंबई के हृदय से नागपुर के हृदय को जिस तरह से जोड़ा है, उसने नाकारात्मक राजनीति करने वालों की बोलती बंद कर दी। ये महाराष्ट्र की जीवन रेखा बन गई है। इस जीवन रेखा को साकार करने के संकल्पनाकार भी देवेन्द्र फडणवीस हैं। गढ़चिरौली जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास की योजनाओं को पहुचाने का कार्य देवेंद्र फडणवीस ने किया। फडणवीस के कार्यकाल में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की सड़कों का क्रांतिकारी कायाकल्प हुआ। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पर उन्होंने जबरदस्त फोकस किया है कि आज महाराष्ट्र का लगभग हर गांव सड़क के नेटवर्क से जुड़ गया है।

महाराष्ट्र में हमेशा अकाल का भयंकर असर होता था। इन्होंने अपने पहले कार्यकाल में 11 हजार गांवों को जल युक्त शिवार अभियान से जोड़कर जिस तरह जल समृद्धि योजना को साकार किया उससे महाराष्ट्र का बड़ा हिस्सा अकाल मुक्त हो सका। किसानों की ऋण माफी के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज की शेतकरी सम्मान योजना लाकर बड़े पैमाने पर किसानों को राहत प्रदान की गई। पूरे देश में नरेन्द्र मोदी जी ने मेक इन इंडिया का कार्यक्रम चलाया, उसका परिणाम आज दिखाई दे रहा है।

अंदाज 2 की रिलीज तारीख का ऐलान, 3 नए चेहरों को लॉन्च कर रहे सुनील दर्शन

अक्षय कुमार, लारा दत्ता और प्रियंका चोपड़ा जैसे सितारों से सजी फिल्म अंदाज ने दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया था। साल 2003 में आई यह फिल्म हिंदी सिनेमा की यादगार फिल्मों में से एक है। सुनील दर्शन इस फिल्म के निर्माता थे। अब लगभग 22 साल अंदाज का सीक्वल आ रहा है, जिसका दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आखिरकार अब अंदाज 2 की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, अंदाज 2 इस साल 1 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए सुनील 3 नए चेहरों को बॉलीवुड में लॉन्च करने वाले हैं। नताशा फर्नांडीज, आयुष कुमार और आकिशा अंदाज 2 से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं। अंदाज 2 के 3 नए पोस्टर भी सामने आ गए हैं, जिनमें नताशा, आयुष और आकिशा की झलक दिख रही है।डायरेक्टर सुनील दर्शन ने एक नई वीडियो के साथ फिल्म की रिलीज डेट दर्शकों को तोहफे में दी है. सुनील दर्शन ने अपने फैंस को एक तरीके से सरप्राइज दिया है. फिल्म 1 अगस्त 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. जहां फिल्म में पुरानी अंदाज के रीमेक गाने दिखाई दे रहे हैं.

दिशा पाटनी की हॉट अदाओं ने लगाई इंटरनेट पर आग!

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी आजकल सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. उनके सोशल मीडिया पर छाने की वजह हैं उनकी हॉट फोटोज. आपको बता दें कि दिशा पाटनी बॉलीवुड की सबसे हॉट और एंड ग्लैमरस अभिनेत्रियों में शूमार है. वे अक्सर अपनी सिजलिंग फोटोज से सोशल मीडिया मीडिया पर का तापमान बढाती रहती है. आपको बता दें कि दिशा पाटनी का सोशल मीडिया अकाउंट हॉट फोटोज से भरा हुआ है. इस बार दिशा पाटनी ने स्काई ब्लू कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में अपनी कुछ फोटोज शेयर की है. इस ड्रेस में दिशा पाटनी अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही है. दिशा पाटनी की यह ड्रेस पतले से स्ट्रीप से टिकी हुई है. दिशा पाटनी ने खुले बालों और होठों पर लाल रंग की लिपिस्टिक लगाकर अपना लुक कम्प्लीट किया है.

इंग्लैंड बनाम भारतः ओवल के मैदान पर इन भारतीय बल्लेबाजों ने बनाए सर्वाधिक टेस्ट रन

नईदिल्ली,भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच सीरीज का आखिरी टेस्ट 31 जुलाई से ओवल के मैदान पर खेला जाएगा। एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में इंग्लिश टीम ने 4 मैचों के बाद फिलहाल 2–1 से बढ़त बनाई हुई है। ऐसे में शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम आखिरी मैच को जीतकर सीरीज को बराबरी पर खत्म करना चाहेगी। इस बीच ओवल के मैदान पर सर्वाधिक टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ इस सूची में शीर्ष पर मौजूद हैं। वह इस मैदान पर 300 से ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले एकमात्र भारतीय बल्लेबाज हैं। अपने शानदार करियर में द्रविड़ ने इस मैदान पर सिर्फ 3 टेस्ट मैचों में 110.75 की अविश्वसनीय औसत के साथ 443 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने 2 शतक भी अपने नाम किए थे, जिसमें एक दोहरा शतक (207) भी शामिल था।

पूर्व भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर इस विशिष्ट उपलब्धि के मामले में द्रविड़ से पीछे हैं। ओवल में उन्होंने 4 टेस्ट मैचों में 45.33 की औसत के साथ 272 रन बनाए थे, जिसमें 3 अर्धशतक भी शामिल थे। तेंदुलकर ने इस मैदान पर अपनी आखिरी पारी 2011 में खेली थी, जिसमें उन्होंने 172 गेंदों पर 91 रन बनाए थे। हालांकि, भारत को उस मैच में पारी और 8 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। अब तक रवि शास्त्री ओवल में 250 से ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले 3 भारतीय बल्लेबाजों में शामिल हैं। इस मैदान पर सिर्फ 2 टेस्ट मैचों में शास्त्री ने 84.33 की उम्दा औसत के साथ 253 रन बनाए थे। उन्होंने यहां पर 2 पारियों में 50+ रन के स्कोर किए थे। 1990 के ओवल टेस्ट में शास्त्री ने बड़ी शतकीय पारी खेली थी। उन्होंने 436 गेंदों पर 187 रनों की पारी खेली थी और मैच ड्रॉ रहा था।

सच्ची घटनाओं पर आधारित मौनी रॉय की सलाकार का टीजर जारी

अगस्त के महीने में हर बार देशभक्ति से भरपूर फिल्में और वेब सीरीज भारी मात्रा में रिलीज होती हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही होने वाला है। इसी क्रम में अब एक और प्रोजेक्ट 'सलाकार् भी अगस्त के महीने में रिलीज होने वाला है। जिसमें जासूसी से भरी कहानी दिखाई जाएगी। कहानी भारत–पाकिस्तान आधारित होगी।

जियो हॉटस्टार ने अपने नए प्रोजेक्ट 'सलाकार की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी है। मेकर्स की ओर से जारी किए गए अनाउंसमेंट वीडियो की शुरुआत एक वॉइस ओवर से होती है। इसमें कहा जाता है कि जनरल जिया बनाना चाहता है पाकिस्तान के लिए पहला न्यूक्लियर बम। इसके साथ ही प्रोजेक्ट के मुख्य

कलाकार मुकेश ऋषि, नवीन कस्तुरिया और मौनी रॉय की झलक भी देखने को मिलती है। इसकी कहानी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। सीरीज की कहानी भारत–पाकिस्तान पर आधारित है। जहां पाकिस्तान को रोकने के लिए भारत एक होशियार अधिकारी को वहां भेजती है। जो स्पाई भी है और अधिकारी भी है।

टीम इंडिया ने लंदन में भारतीय उच्चायुक्त से की मुलाकात, गिल और गंभीर ने गिफ्ट किया बल्ला

नई दिल्ली, टीम इंडिया ने इंग्लैंड के साथ एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच मैनचेस्टर में ड्रॉ किया. अब पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से ओवल में होने वाला है. अभी पांच मैचों की सीरीज में भारत 1–2 से पीछे है. अब उसके पास अंतिम टेस्ट में जीत दर्ज कर सीरीज को 2–2 से बराबर करने का मौका होगा. इंडियन टेस्ट क्रिकेट टीम अभी बदलाव के दौर से गुजर रही है. टीम से कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन जैसे बड़े–बड़े खिलाड़ी निकल चुके हैं. ऐसे में शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने बेहतर प्रदर्शन किया है. इंग्लैंड में टीम के लिए बल्लेबाजी लाइन–अप ने खास योगदान दिया है. टीम का गेंदबाजी लाइन–अप टीम के लिए चिंता का सबब है. अब भारतीय क्रिकेट टीम चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ करने के बाद और पांचवें टेस्ट मैच की शुरुआत से पहले 29 जुलाई यानी मंगलवार को लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग का दौरा किया.

8 गेंदों में 5 विकेट! गेंदबाज महेश तांबे ने बना डाला विश्व रिकॉर्ड

नईदिल्ली, क्रिकेट के सबसे छोटे और लोकप्रिय फॉर्मेट टी20 क्रिकेट में बल्ले से तो रन निकलते और रिकॉर्ड बनते रहते हैं, लेकिन तेज रन बनाने की कोशिश में बल्लेबाज अपना विकेट भी जल्दी जल्दी गंवा देते हैं. जिसकी वजह से गेंदबाजों को भी रिकॉर्ड बनाने और इतिहास रचने का मौका मिल जाता है. ऐसा ही एक मौका फिनलैंड के गेंदबाज महेश तांबे को भी मिला, जब उन्होंने एस्टोनिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 8 गेंद पर 5 विकेट लेकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया. फिनलैंड के मध्यम गति के गेंदबाज महेश तांबे ने ये बड़ी उपलब्धि तेलिन में द्विपक्षीय सीरीज के आखिरी मैच में हासिल की. इस मैच को फिनलैंड ने पांच विकेट से जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 2–1 से अपने नाम कर ली

थी. लेकिन क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान उनकी जीत ने नहीं बल्कि तांबे के सिर्फ आठ गेंदों में पांच विकेट खींचा.महेश तांबे पारी के 17वें ओवर में गेंदबाजी करने आए और अपने ओवर की तीसरी, चौथी और छठी गेंदों पर विकेट लिए. उसके बाद दाएं हाथ के इस गेंदबाज ने 19वें ओवर की पहली दो गेंदों पर दो और विकेट लेकर अपनी हैट्रिक पूरी की और महज आठ गेंदों में पांच विकेट लेकर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज पांच विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया.

एक नजर

बारिश से सड़कों पर मलबा और भूस्खलन ने बढ़ाई मुसीबत

चमोली : चमोली जिले में सोमवार रात और मंगलवार सुबह हुई बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया। जिले में सात ग्रामीण लिंक मार्ग और सड़कें मलबा आने व बहाव के कारण बाधित रहीं। नंदानगर क्षेत्र में पंचायत चुनाव के मतदान के बाद लौट रही पोलिंग पार्टियों को सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के कारण बीच रास्ते में फंसना पड़ा। राहत एवं बचाव कार्य में जुटी राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम ने 14 पोलिंग पार्टियों को सुरक्षित निकालकर गंतव्य तक पहुंचाया। हालांकि, इस दौरान बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (हाईवे) सुचारू रूप से चालू रहा। जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, देवाल क्षेत्र के 60 से अधिक गांवों की बिजली आपूर्ति फीडर में खराबी के कारण बाधित रही। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी ने बताया कि विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी तरह, गैरसैंण के फरकंडे फीडर में भी खराबी आने के कारण 15 गांवों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। (एजेंसी)

भारी बारिश से दो मंजिला आवासीय मकान ध्वस्त

चमोली : चमोली जिले के पोखरी विकासखंड के ब्राह्मणथाला गांव में दो मंजिला आवासीय मकान भारी बारिश के कारण पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। गांव के निवासी हर्षबल्लभ थपलियाल ने बताया कि बीते दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते सोमवार देर रात उनका चार कमरों वाला मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि मकान के भीतर रखी आवश्यक वस्तुएं और खाद्य सामग्री भी पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। सौभाग्यवश, वह इस समय अपनी पत्नी और बच्चों के साथ कर्णप्रयाग में रह रहे हैं। दो सप्ताह पहले ही वे अपने परिवार को कर्णप्रयाग ले गए थे। उन्होंने कहा कि यदि परिवार मकान में मौजूद होता, तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। हर्षबल्लभ थपलियाल ने दैवीय आपदा के तहत अपने क्षतिग्रस्त मकान की सूचना एसडीएम पोखरी को दी है और मांग की है कि मौके पर जांच करवा कर उन्हें उचित क्षतिपूर्ति दी जाए। (एजेंसी)

जिले के 93 स्कूल भवन जर्जर, उडामांडा इंकॉ की हालत बदतर

चमोली : चमोली जिले में प्राथमिक से माध्यमिक स्तर के 93 विद्यालय भवनों की स्थिति खराब है। इनमें से 20 प्राथमिक विद्यालयों को ह्यडी श्रेणीह्न में चिन्हित किया गया है, जिन्हें तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है। माध्यमिक विद्यालयों में भी एक भवन डी श्रेणी में है, जिसके शीघ्र सुधार अथवा पुनर्निर्माण की जरूरत है। इसके अतिरिक्त, 73 विद्यालय भवन ह्यसी श्रेणीह्न में रखे गए हैं, जिन्हें मरम्मत की आवश्यकता है। उडामांडा इंटर कॉलेज की स्थिति सबसे खराब पोखरी विकासखंड स्थित उडामांडा राजकीय इंटर कॉलेज का भवन सबसे अधिक जर्जर है। विद्यालय का पुराना भवन खस्ताहाल है। समग्र शिक्षा योजना के तहत बनाए गए चार कक्ष भी अधूरे और असुरक्षित हैं। प्रधानाचार्य ब्रह्मानंद किमोठी ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से ये कक्ष अधूरे पड़े हैं। न दरवाजे हैं, न खिड़कियां, फर्श अधूरा है और छत टपकती है। छात्र-छात्राएं पुराने भवन के साथ इस अधूरे भवन में भी असुरक्षित महसूस करते हैं। विभाग को इस स्थिति की जानकारी दे दी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। विद्यार्थियों की आपबीती विद्यालय की कक्षा 12 की छात्राएं शिवानी, निकिता और छात्र मयंक सिंह, गौरव ने बताया कि बरसात के दौरान सभी कमरों की छतों से पानी टपकता है। फर्श गीला रहता है, जिससे पढ़ाई करना मुश्किल हो जाता है। भवन की जर्जर स्थिति के कारण हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। प्रधानाचार्य किमोठी ने बताया कि विद्यालय भवन की दुर्दशा को लेकर शासन-प्रशासन और शिक्षा मंत्री तक को ज्ञापन दिया जा चुका है,

पुलिंडा के ग्रामीणों को डरा रही बरसात, नहीं हुआ विस्थापन

● भूस्खलन की जद में है दुगड्डा ब्लॉक का पुलिंडा गांव ● बरसात होने पर ग्रामीणों की आंखों से उड़ जाती है नींद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दुगड्डा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पुलिंडा के ग्रामीण अस्सी के दशक से भूस्खलन का दंश झेल रहे हैं। भूस्खलन के कारण ग्रामीणों के घरों में दरारे तक आ गई है। लगातार शिकायत के बाद भी अब तक ग्रामीणों के विस्थापन की सुध नहीं ली गई। नतीजा, बरसात होने पर ग्रामीणों की आंखों से नींद गायब हो जाती है। साथ ही भूस्खलन के कारण गांव से पलायन भी हो रहा है।

जनपद पौड़ी में आपदा की दृष्टि से एकमात्र पुलिंडा गांव अति संवेदनशील है। वर्ष 1971 में यह गांव भूस्खलन की जद में आया। उस दौरान देखते ही देखते गांव के करीब 12 मकान भूस्खलन की भेंट चढ़ गए, जबकि अन्य कई मकानों में दरारें पड़ गई। इतना ही नहीं, कई

दुगड्डा विकासखंड के अंतर्गत पुलिंडा गांव के समीप स्थित भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र, जिस कारण पूरा गांव खतरे की जद में है।

गोशाला भी ध्वस्त हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने अपने आवास भूस्खलन जद से दूर तो बनाए। लेकिन, हर बरसात में भूस्खलन का खतरा नए सिरे से बनाए मकानों तक पहुंचने का अंदेशा हमेशा बना रहता है। ग्रामीण कई बार विस्थापन की मांग को लेकर आंदोलन भी कर चुके हैं। लेकिन, हर बार आश्वासन से आगे कुछ नहीं हुआ। कभी ड़ेढ़ सौ से अधिक परिवार वाले इस गांव से पलायन के चलते अब करीब बीस-पच्चीस परिवार ही रह गए हैं।

वन कानून बन रहा बाधा

विस्थापन को हुए प्रयास उत्तर प्रदेश शासनकाल में वर्ष 1996 में भू-वैज्ञानिकों की एक टीम ने गांव का सर्वे कर अन्यत्र विस्थापित किए जाने की संस्तुति की। लेकिन, कोई फायदा नहीं हुआ। वर्ष 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्कालीन आयुक्त ने गांव को लैंसडौन वन प्रभाग के अंतर्गत पापीडांडा खाम में विस्थापित करने की संस्तुति कर दी।

वन भूमि हस्तांतरण की कार्यवाही भी शुरू कर दी गई, लेकिन आज तक स्थिति पूर्ववत है। शासन को भेजी रिपोर्ट उप निदेशक, भूवैज्ञानिक भूतत्व एवं खनिजकर्म इकाई पौड़ी गढ़वाल की ओर से अतिसंवेदनशील ग्राम पुलिंठा का सर्वे कर अगस्त 2021 को जिलाधिकारी को अवगत कराते हुए पुलिंडा के समीप दो भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र को चिह्नित करते हुए परिवारों की संख्या का उल्लेख किया गया, जिसमें उनके द्वारा कुछ प्रभावितों की उनके नाम भूमि को उपयुक्त तो कुछ की उपयुक्त होना नहीं पाया बताया गया। पुलिंडा गांव के विस्थापन को लेकर पूर्व में पापीडांडा में सर्वे भी किया गया। लेकिन, पापीडांडा खाम के आरक्षित वन क्षेत्र में होने के कारण यह योजना धरातल पर नहीं उतर पाई।

पांच परिवारों का होना है विस्थापन

पूर्व में जहां पूरे पुलिंडा गांव के विस्थापन की तैयारी थी, 2021 में हुए सर्वे के बाद पांच परिवारों को ही खतरे की जद में माना गया। साथ ही इन पांच परिवारों के पिस्थापन की कवायद शुरू हुई। लेकिन, चार वर्ष बाद भी यह परिवार विस्थापित नहीं हो पाए हैं। प्रशासन की माने तो उक्त परिवार मैदानी क्षेत्र में भूमि देने के साथ ही पूरे गांव को विस्थापित करने की मांग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग रूद्रप्रयाग की बाल विकास परियोजना कार्यालय बेलनी में बाल विकास परियोजना अधिकारी शैली प्रजापति द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड की एकल महिलाओं (जैसे विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता, अपराध या एसिड हमले की पीड़ित) को वित्तीय सहायता प्रदान करके उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी को उत्तराखंड का स्थायी निवासी होना चाहिए। उसकी आयु सीमा 21 से 50 वर्ष होनी चाहिए तथा उसकी वार्षिक पारिवारिक आय अधिकतम 72,000 से अधिक की नहीं होनी चाहिए। उक्त योजना के तहत आवेदक महिला को अधिकतम 2 लाख तक के प्रोजेक्ट के लिए सहायता दी जाएगी तथा इसमें सरकार 75 प्रतिशत तक की सब्सिडी प्रदान करेगी, जो अधिकतम 1.5 लाख हो सकती है, शेष 25 प्रतिशत लाभार्थी को स्वयं जोड़नी होगी। इसके अतिरिक्त आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को मातृ वंदना की आई डी लॉगिन करके लाभार्थियों का फॉर्म भरना भी सिखाया गया।

प्रवीण घागट जिलाध्यक्ष तो संजीव रिजौरा बनें सचिव

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड स्वच्छकार संघ की जिला व नगर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। सफाई कर्मचारियों ने अब अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए प्रवीण कुमार घागट को जिलाध्यक्ष, संजीव रिजौरा को जिला सचिव चुना गया। नगर पालिका सभागार में आयोजित बैठक में अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इससे पहले उत्तराखंड स्वच्छकार कर्मचारी संघ की नगर व जिला कार्यकारिणी ने सामूहिक रूप से संघ से अपना इस्तीफा दिया। भारतीय सफाई मजदूर संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष विशाल बिड़ला, प्रदेश अध्यक्ष चौधरी सुनील राजौरा की मौजूदगी में नगर पालिका सभागार में संघ की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए सर्वसहमति से जिला व नगर कार्यकारिणी का गठन किया गया। प्रवीण कुमार घागट को जिलाध्यक्ष, संजीव रिजौरा को जिला सचिव, मुकेश ढींगिया को नगर अध्यक्ष, राहुल टांक को नगरसचिव, विक्रम डुगलचे को कार्यकारी अध्यक्ष, मुकेश पारस को शाखा वरिष्ठ अध्यक्ष, धीरज गोडियाल को शाखा अध्यक्ष संपर्क, सूरज वेद को शाखा सचिव कार्यालय, मनीष गोडियाल को शाखा कोषाध्यक्ष, कपिल रिडियान को शाखा उपाध्यक्ष, राजू रिडियान को शाखा सलाहकार, मुकेश को कानूनी सलाहकार बनाया गया। इसके साथ ही वालेश देवी, राना देवी, रेनू, अंकुश, सुरेंद्र वेद, अमित वेलवान, जगपाल, रविंद्र घाघट, संजीव ढिंगिया, रोहित गोडियाल को शाखा कार्यालय सदस्य चुना गया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष श्रीनगर राजेश, महिला मोर्चा अध्यक्ष देहरादून बीना देवी, प्रिंस लाहौट आदि शामिल रहे।

नाग पंचमी पर मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नाग पंचमी पर शहर के नागदेव मंदिर में दैनिक पूजन के साथ ही यज्ञ की पूर्ण आहुती व भंडारे का आयोजन किया गया। पूर्ण आहुति व भंडारे के साथ तीन दिवसीय पूजन संपन्न हो गया। मंगलवार को नाग पंचमी पर नागदेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। हल्की बारिश के बावजूद दिनभर मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इससे पूर्व बीते रविवार को नागदेव मंदिर समिति द्वारा लक्ष्मी नारायण नागराज मंदिर पूजन के बाद शहर से नागदेव मंदिर तक डोली यात्रा निकाली गई थी। इसके बाद नागदेव मंदिर में गणेश पूजन, नाग देवता पूजन, कालसर्प दोष निवारण पूजन किया गया। सोमवार को मंदिर में गणेश व नागदेव पूजन किया गया। नाग पंचमी पर मंगलवार को मंदिर में पूर्ण आहुति व भंडारे में भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। इस मौके पर समिति के सदस्य मनोज बिष्ट, वींरेंद्र पंवार, राजेंद्र राणा, राजेंद्र रावत, सुनील, अनूप रावत आदि मौजूद रहे।

अतिक्रमण हटाने गए तहसील कर्मियों से मारपीट, वाहन भी तोड़ा

-मानपुर क्षेत्र में सड़क से अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंची थी टीम
-तहसील कर्मियों की तहरीर पर आठ के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 17 मानपुर स्थिति एक मोहल्ले में अतिक्रमण हटाने गई टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। तहसील कर्मियों के साथ मारपीट करने के साथ ही उनके वाहन को भी क्षतिग्रस्त किया गया है। तहसील कर्मियों की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद व छः अन्य लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

घटना मंगलवार दोपहर की है। प्रशासन को सूचना मिली कि मोहल्ले में एक व्यक्ति ने अपने घर के बाहर मुख्य सड़क पर ऐंगल लगाए हुए हैं। सूचना के बाद प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची ओर व्यक्ति से ऐंगल हटाने को कहा। लेकिन, व्यक्ति प्रशासन की टीम से ही अभद्रता करने लगा। प्रशासन ने ऐंगल हटाने का प्रयास किया तो कुछ लोग गाली-गलौच करते हुए टीम से हत्थापाई करने लगे। एक युवक ने टीम के ऊपर ईंट से हमले का प्रयास किया। साथ ही पत्थर से प्रशासन के वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम लोगों को पकड़कर कोतवाली ले आई। पुलिस ने बताया कि मामले में विजयपाल व अमित सहित छः लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में पुलिस कुछ अन्य लोगों को भी पकड़कर कोतवाली लेकर आई।

ऐंगल हटाने पहुंची टीम से वार्ता करते लोग

गांव में मतदान के बाद लौटने लगे प्रवासी, बस के लिए मारामारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पंचायत चुनाव में बड़ी संख्या में प्रवासी मतदान के लिए अपने गांव पहुंचे हुए है। ऐसे में सोमवार देर शाम मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद अब प्रवासी वापस मैदान की ओर अपना रूख करने लगे हैं। यही कारण है कि सुबह से ही बस अड्डे पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। बस में पहले सीट पाने के लिए यात्रियों को मारामारी करनी पड़ी।

दिल्ली, गुरुग्राम, देहरादून सहित अन्य मैदानी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में प्रवासी गांव मतदान करने पहुंचे हुए थे। ऐसे में सोमवार को दूसरे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद मंगलवार से प्रवासियों ने वापस महानगरों की ओर अपना रूख करना शुरु कर दिया है।

कोटद्वार बस अड्डे में वाहनों की तलाश में खड़े मैदान को जाने वाले प्रवासी

सुबह से पहाड़ से कोटद्वार आने वाले वाहन यात्रियों से भरे हुए थे। कोटद्वार से दिल्ली, देहरादून, गुरुग्राम सहित अन्य रूटों पर यात्रियों की सबसे अधिक संख्या देखने को मिली। बस अड्डे पर बस के पहुंचते ही पहले सीट के लिए यात्रियों में मारामारी देखने को मिली। दोपहर तक लगातार भीड़ में इजाफा देखने को मिला। परिवहन निगम की ओर से हर एक घंटे में मोहननगर, दिल्ली व देहरादून के लिए बस का संचालन किया जा रहा था। यात्रियों की भीड़ बढ़ने से सबसे अधिक परेशानी परिवार के साथ यात्रा करने वाले लोगों को उठानी पड़ी।

मतपेटियों को सिर पर रख क्षतिग्रस्त सड़कों से आए मतकर्मी

चमोली : सोमवार को पंचायत चुनाव के दूसरे चरण का मतदान शांतिपूर्वक संपन्न होने के बाद मंगलवार को मतदान केंद्रों से लौट रही पोलिंग पार्टियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बारिश और भूस्खलन के चलते कई सड़कों के वासआउट (बह जाने) और बंद होने से पोलिंग पार्टियां बीच रास्ते में फंस गईं। बारिश से चमोली जिले के नंदानगर क्षेत्र की कांडई मोटर सड़क क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि खुनाना मार्ग पर भारी भूस्खलन के कारण सड़क पर मलबा आ गया, जिससे यातायात ठप हो गया। कांडई और गंडासू सेक्टर की कुल 14 पोलिंग पार्टियां वापस लौटते समय इन मार्गों पर फंस गईं। बारिश लगातार जारी रहने से स्थिति और गंभीर हो गई। कुछ मतदान कर्मी खुद मतदान पेटियों को उठाए पैदल चलते नजर आए, तो कुछ स्थानों पर सुरक्षा कर्मी कंधों पर मतपेटियां लादकर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचे। (एजेंसी)

पौधों का किया रोपण, संरक्षण का संकल्प

पौधारोपण करते परिषद के सदस्य व सांसद अनिल बलूनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत विकास परिषद शाखा कोटद्वार की ओर से गोपाल गौलोकधाम में गौ-चारा वितरण के साथ ही पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सदस्यों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया।

गोपाल गौलोकधाम सेवा संस्थान मे आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने किया। कहा कि हमें पौधा रोपण के साथ उसके संरक्षण पर भी ध्यान देना चाहिए। इस मौके पर परिषद के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, सचिव प्रदीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल, विपिन कैंथोला, राज गौरव नौटियाल, विकासदीप मित्तल, राजेंद्र जखमोला, डीपी अग्रवाल, मीनाक्षी शर्मा, राधे श्याम शर्मा, राजदीप महेश्वरी, कृष्ण सिंघानिया, विष्णु अग्रवाल, गौ धाम समिति के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण अग्रवाल, जसपाल सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को दी गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की जानकारी

आईएचएमएस कालेज में किया गया समारोह आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के तहत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में समारोह आयोजित किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को नई शिक्षा नीति के महत्व और लाभ की जानकारी दी गई।

बीईएल रोड बलभद्रपुर स्थित कालेज के सभागार में आयोजित समारोह का बतौर मुख्य अतिथि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार की वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. प्रीति रानी और कालेज के प्राचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. प्रीति रानी ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आने से युवाओं उच्च शिक्षा में अव्वल प्रदर्शन करने का मौका मिला है। आसान शिक्षा नीति के कारण अब युवक-युवतियां अपना सुहरा भविष्य बना रहे हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं नई शिक्षा नीति के महत्व और लाभ की जानकारी देते हुए इसका लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर आईआईसी संयोजक असिस्टेंट प्रो. वेद प्रकाश, आईक्यूएसई प्रभारी असिस्टेंट प्रो. प्रवीन त्रिपाठी, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष असिस्टेंट प्रो. अनुराग सेमवाल, होटल मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष असिस्टेंट प्रो. विरेंद्र आर्य, मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष असिस्टेंट प्रो. सुरेंद्र जगवान सहित सभी प्राध्यापक मौजूद रहे।

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी व अन्य

पर्यटन नगरी में आवारा पशु बने परेशानी का सबब

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडाउन : पर्यटन नगरी लैंसडाउन में आवारा पशुओं की भरमार लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रही है। मुख्य सड़क पर पशुओं का जमावड़ा होने से हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। आवारा पशुओं की चपेट में आने से कई लोग घायल हो चुके है।

क्षेत्र में घूम रहे आवारा पशु स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटकों के लिए परेशानी का सबब बने हैं। ऐसे पशुओं के हमले में आए दिन लोग चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पशुपालकों द्वारा बेवजह ही पशुओं को छोड़ दिया जाता है। जिस कारण पशु पर्यटक नगरी में घूमते रहते है। स्थानीय निवासी प्राची वर्मा का कहना है कि आवारा पशुओं के झुंड लोगों को परेशान करते हैं। पशु प्रेमियों द्वारा सड़कों पर ही पशुओं को भोजन खिलाया जाता है। आवारा पशु जहां खाना मिलता है, वहीं लेट जाते हैं। जिस कारण से दुर्घटना का खतरा बना रहता है तथा सड़कों में गंदगी भी होती है। कांग्रेस नगर अध्यक्ष गंभीर सिंह का कहना है कि रुल 23 आफ एबीसी अधिनियम में बताया गया है कि पशु प्रेमियों को मुख्य सड़क, ट्रैफिक वाली जगहों में पशुओं को भोजन नहीं देना चाहिए। जिससे पशुओं की वाहन से चोटिल होने की संभावना न रहे। साथ ही आमजन को ट्रैफिक जाम का सामना न करना पड़े।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ब्लॉक मुख्यालयों पर स्ट्रांग रूम में रखी गई मतपेटियां

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में पौड़ी, कोट, कल्जीखाल, जयहरीखाल, द्वारीखाल, यमकेश्वर और दुगड्डा ब्लॉक में गत सोमवार को मतदान शांतिपूर्ण हुआ। दूसरे चरण में 63.32 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें सबसे अधिक यमकेश्वर ब्लॉक में 69.30 प्रतिशत और सबसे कम कोट ब्लॉक में 57.77 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले में दोनों चरणों में कुल 61.25 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद सोमवार की रात्रि ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच 545 पोलिंग पार्टियों ने मतपेटिकाएं स्ट्रांग रूम में जमा करा दी है। वहीं, मंगलवार को दूरस्थ क्षेत्रों से 3 पोलिंग पार्टियों ने भी मतपेटियों को स्ट्रांग रूम में जमा करा दिया है। इनमें 2 पोलिंग पार्टियां द्वारीखाल और 1 पोलिंग पार्टी दुगड्डा ब्लॉक क्षेत्र से थी।

मतदान प्रक्रिया के दूसरे चरण में 466 ग्राम प्रधान पदों के लिए मतदान हुआ। जबकि 73 ग्राम प्रधान प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए और 1 पद रिक्त रहा। इस चरण में 151 क्षेत्र पंचायत सदस्य पदों के लिये मतदान कराया गया। कुल 161 क्षेत्र पंचायत वार्डों में से 10 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इसके अलावा 16 जिला पंचायत सदस्य पदों के लिए भी मतदान हुआ। इस दौरान संबंधित क्षेत्रों के उपजिलाधिकारी निरंतर रूप से मतदान स्थलों व अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बताया कि 31 जुलाई को मतगणना होनी है, जिसकी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। बताया कि दोनों चरणों में कुल 61.25 फीसदी मतदान हुआ। पंचायत चुनाव में जिले में पंजीकृत 4,37,180 मतदाताओं में से 2,67,724 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसमें 1,38,464 महिला और 1,29,322 पुरुष मतदाता शामिल है।

फुटबॉल में कोटद्वार ने डीएवी जगजीतपुर को हराया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बलभद्रपुर स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में डीएवी प्रबंध कर्त समिति व डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान फुटबॉल प्रतियोगिता में कोटद्वार ने डीएवी जगजीतपुर को हराया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ राजकीय स्टेडियम के इंचार्ज श्याम सिंह डांगी व पर्यवेक्षिका सरिता रावत व प्रधानाचार्य नितिन भाटिया ने ध्वजारोहण कर किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अंडर-14 स्विमिंग बालिका वर्ग पचास मीटर में हिमांशी व बालक वर्ग में अभिनव ने स्वर्ण पदक जीता। अंडर-17 बालक वर्ग पचास, सौ व दो सौ मीटर में शुभम प्रथम रहा। बालक अंडर-19 पचास मीटर में शात्वत सौ मीटर में अंश बलोदी ने स्वर्ण पदक जीता। अंडर-17 बैक स्टॉक में सृजन हिंदवान ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर जोनल लेवल में प्रवेश किया। फुटबाल अंडर-17 फुटबाल मैच में कोटद्वार ने डीएवी जगजीतपुर को 7-0 से हराया। बाक्सिंग में कोटद्वार की ऐश्वर्या, आद्या देहरादून की ईशानी, श्रेष्ठा, समरांगी, अंशिका, अंकिता, हर्षिता का दबदबा देखने को मिला। प्रतियोगिता का संचालन सिद्धार्थ नैथानी ने किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य नितिन भाटिया आदि मौजूद रहे।

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

गणित लगाने में जुटे प्रत्याशी

चमोली : सोमवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद प्रत्याशी और उनके सर्मथक वोटों का गणित लगाने में जुट गए हैं। प्रधान से लेकर जिला पंचायत सदस्य बूथों पर पड़े कुल वोट और उसमें से अपने को मिले वोटों की गिनती कर रहे हैं।

नाम परिवर्तन

मेरे हाईस्कूल के दस्तावेज में मेरा नाम Kumari Bharti दर्ज है, शादी के बाद मेरा नाम Bharti Devi हो गया है, Kumari Bharti व Bharti Devi दोनों नाम मेरे ही है, इसलिए मुझे Bharti Devi पत्नी अजय सिंह निवासी सिंबलचौड, पोस्ट पदमपुर सुखरौ, कोटद्वार गढ़वाल, उत्तराखण्ड के नाम से जाना पहचाना जाए।
(1128/21)

संक्षिप्त समाचार

नागपंचमी पर भक्तों ने चढ़ाया नाग देवता को दूध

हल्द्वानी। श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला नागपंचमी पर्व मंगलवार को शहर में परंपरा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। भक्तों ने सुबह से ही नाग देवता की बांबियों और प्रमुख शिवालयों में पहुंचकर दूध, हल्दी, कुमकुम और नैवेद्य अर्पित किया। भगवान शेषनाग और भोलेनाथ को श्रद्धापूर्वक दूध से स्नान कराकर विशेष पूजा–अर्चना की गई। रुद्राभिषेक, रूद्री पाठ और शिव भजन–कीर्तन से मंदिरों का वातावरण भक्तिमय रहा। मान्यता है कि इस दिन की पूजा से जातक की कुंडली से कालसर्प दोष, राहु–केतु के अशुभ प्रभाव दूर होते हैं। शहर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई।

जीआईसी मुक्तेश्वर में बच्चों ने सीखे योग के गुर

हल्द्वानी। राजकीय इंटर कॉलेज मुक्तेश्वर में बुधवार को ज्योति जन स्वास्थ्य सेवा समिति की ओर से निःशुल्क योग शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान केएचआरसी हल्द्वानी के वरिष्ठ लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. केपी कुनियाल ने बच्चों को योगा मैट भेंट कर नियमित योगाभ्यास के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं, डॉ. ज्योत्सना कुनियाल ने योग दर्शन पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को योग अपनाने की प्रेरणा दी। शिविर का संचालन करते हुए योग निदेशिका कनिष्का कुनियाल ने योग अनुशासनम एवं योगः कर्मसु कौशलम को परिभाषा के साथ योगासन और प्राणायाम कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज त्रिपाठी समेत समस्त शिक्षक व करीब 60 छात्र–छात्राओं के अलावा दयाल सिंह बरगली, त्रिलोक सिंह बिष्ट, विरेंद्र कुमार शुक्ला, गीता गिनवाल और नारायणी गरखाल सहित कई शिक्षक भी मौजूद रहे।

उत्तरकाशी के तीन ब्लॉकों में 75.96 फीसदी हुआ मतदान

उत्तरकाशी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए दूसरे चरण की मतदान प्रक्रिया गत सोमवार को शांति पूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गई। सीमांत जनपद उत्तरकाशी में दूसरे चरण में गंगा घाटी के भटवाड़ी, चिन्यालीसौड़ तथा डुंडा में ब्लॉक में मतदान हुआ। बीती देर शाम प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, तीनों ब्लॉकों में मतदान का प्रतिशत 75.96 फीसदी मतदान हुआ। जिसमें भटवाड़ी विकासखंड में 79.58, डुंडा विकासखंड 74.84 तथा चिन्यालीसौड़ विकासखंड में 74.14 फीसदी मतदान हुआ। इससे पहले बीते 24 जुलाई को प्रथम चरण के मतदान में जिले के नौगांव, पुरोला और मोरी विकासखंडों में कुल 82.49 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं मतदान संपन्न होने के बाद देर रात से ही पोलिंग पार्टियों का लौटना शुरू हुई। सभी पोलिंग पार्टियां वापस लौट चुकी है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए दूसरे चरण में सोमवार को भटवाड़ी, डुंडा, तथा चिन्यालीसौड़ ब्लॉक में मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई गई। तीनों ब्लॉकों में मतदान प्रतिशत 75.96 रहा। बताया कि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से पूरी हुई है। पार्टियों के लौटने के बाद मतदान समाग्री जमा करने के बाद सभी मतपेटियां तीनों ब्लॉकों में बनाये गए स्ट्रांग में सुरक्षित रखवाई गई है।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वालों का सम्मान

ऋषिकेश। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज आवास–विकास में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं में मेडल जीतने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न जगहों पर हुई प्रतियोगिताओं में विद्यालय का नाम रोशन करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य उमाकांत पंत ने बताया कि बीते दिनों गीता आश्रम में श्रीमद्भागवत गीता से संबंधित भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई थी। जिसमें विद्यालय के कक्षा 11 के यश नारंग ने बेहतर प्रदर्शन कर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया था।

बाल श्रम करवाने पर दो दुकानदारों पर मुकदमा

रुड़की। बाल श्रम को लेकर श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने मंगलवार को छापेमारी कर कस्बे में दो दुकान सचालकों को अपनी दुकानों में बाल श्रम कराने की धाराओं में मामला दर्ज कराया है। अन्य दुकान सचालकों को चेतावनी भी दी कि अगर बाल श्रम कराते पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार, सोमवार देर शाम प्रवर्तन अधिकारी रुड़की अनिल पुरोहित को सूचना मिली कि कस्बे में कई दुकान संचालकों ने अपनी दुकानों पर बाल श्रमिकों से काम कर रहे हैं।

बाढ़ सुरक्षा संबंधी कार्यों को प्राथमिकता में रखें : डीएम

अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी यात्रा मार्ग का करेगी स्थलीय निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय में नंदा देवी राजजात यात्रा मार्ग पर सिंचाई विभाग और ग्रामीण निर्माण विभाग (आरडब्लूडी) द्वारा प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने आरडब्लूडी के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि वे सिंचाई विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यों की योजना बनाएं, ताकि किसी भी प्रकार के कार्यों की पुनरावृत्ति (डुप्लीकेसी) न हो। उन्होंने पड़ाव स्थलों पर भीड़ प्रबंधन, आवाजाही के मार्ग, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल सुविधाएं एवं मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण का कार्य और बाढ़ सुरक्षा संबंधी कार्यों को प्राथमिकता में रखने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने सिंचाई खंड थराली के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय कर, उनका फोटो सहित विस्तृत एस्टीमेट शीघ्र भेजें। जिलाधिकारी ने यात्रा मार्ग के निरीक्षण के लिए अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश की अध्यक्षता व जिला पर्यटन अधिकारी, आरडब्लूडी तथा सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता की सदस्यता में एक कमेटी गठन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने टीम को यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर एक सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में सिंचाई खंड थराली के अधिशासी अभियंता ने अवगत कराया कि विभाग द्वारा स्नान घाट, चेंजिंग रूम, सुरक्षात्मक निर्माण, बाढ़ सुरक्षा कार्य, मंदिर सौंदर्यकरण, गेट निर्माण एवं संपर्क मार्गों से संबंधित प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। वहीं आरडब्लूडी के अधिशासी अभियंता ने जानकारी दी कि उनके प्रस्तावों में पैदल मार्ग, टीन शेड, यात्री विश्रामगृह तथा स्थायी एवं अस्थायी पार्किंग निर्माण कार्य सम्मिलित हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी, जिला पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़, अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड गोपेश्वर अरविंद नेगी, अधिशासी अभियंता आरडब्लूडी अल्लादिया, वीसी द्वारा अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड थराली प्रशांत श्रीवास्तव जुड़े रहे।

ब्लॉक मुख्यालयों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्ट्रांग रूम में रखी गई मतपेटियां

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया है। जनपद में द्वितीय चरण में दशोली, नंदानगर, गैरसैंण, कर्णप्रयाग और पोखरी विकासखंड के 411 मतदेय केंद्रों पर हुए मतदान के बाद मंगलवार को सभी मतदान केंद्रों से सभी 431 पोलिंग पार्टियां विकासखंड मुख्यालयों पर पहुंच गई हैं। जिसके बाद सभी मतपेटियों को कडी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रुम में रख दिया गया है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण में जनपद चमोली दशोली, नंदनगर, गैरसैंण, कर्णप्रयाग और पोखरी विकासखंडों के 411 मतदेय केंद्रों पर मतदान की प्रक्रिया संपन्न हुई। इस दौरान सभी मतदेय केंद्रों पर 66.47 फीसदी मतदाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। जिसके बाद मतदान प्रक्रिया के लिए चयनित सभी 431 पोलिंग पार्टियां

सकुशल विकासखंड मुख्यालयों पर पहुंच गई है। जहां नियमानुसार जांच के बाद मतपेटियों को स्ट्रांग रुम में रख दिया गया है। स्ट्रांग रूमों की सुरक्षा के लिए जहां सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं भारी संख्या में पुलिस बल की भी तैनाती की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप तिवारी ने कहा कि द्वितीय चरण की मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद राज्य निर्वाचन विभाग की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के तहत 31 जुलाई को जनपद में मतगणना कार्य किया जाएगा। कहा कि सभी विकासखंडों में सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतपेटियों को स्ट्रांग रुम में रखा गया है। स्ट्रांग रुम मतगणना के दिन खोले जाएंगे।

ऊर्जा निगमों के उपनल कर्मियों की स्वास्थ्य सुविधा पर जवाब तलब

देहरादून। मानवाधिकार आयोग ने तीनों निगमों के एमडी से मांगा जवाब उपनल कर्मियों ने इलाज न मिलने पर आयोग से लगाई थी गुहार देहरादून, मुख्य संवाददाता। ऊर्जा के तीनों निगमों के उपनल कर्मियों की स्वास्थ्य सुविधा पर उत्तराखंड मानवाधिकार आयोग ने निगम मैनेजमेंट से जवाब तलब किया है। तीनों निगमों के एमडी से रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट में निगम मैनेजमेंट को बताना है कि अभी तक संविदा कर्मियों को चिकित्सा सुविधा किस स्तर पर उपलब्ध करवाई जा रही है। भविष्य के लिए क्या योजना तैयार की जा रही है। विद्युत संविदा कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कवि ने ऊर्जा के तीनों निगमों में उपनल कर्मियों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उपलब्ध न कराने पर मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज की थी। बताया था कि उपनल के अधिकतर कर्मचारी अब ईएसआई की सुविधा से बाहर हो गए हैं। उन्हें अब इलाज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। संविदा कर्मचारियों को ग्रुप इंश्योरेंस की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। कैशलेस इलाज का लाभ दिया जाए। कर्मचारियों को गोल्डन कार्ड से जोड़ा जाए। मेडिकल अवकाश दिया जाए।

कहा कि विद्युत दुर्घटना में मृतक संविदा कर्मचारी को 20 लाख का मुआवजा देने के साथ ही आश्रित को योग्यता के अनुरूप नियुक्ति दी जाए। आयोग ने तीनों निगमों के एमडी से आयोग में उपनल कर्मियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं को रिपोर्ट देने के निर्देश जारी किए गए।

अटल स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती को स्क्रीनिंग परीक्षा 14 अगस्त को

देहरादून। राज्य के अटल उत्कृष्ट राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में खाली पड़े पदों पर जल्द शिक्षकों की तैनाती होने की उम्मीद बढ़ गई है। इसके शिक्षा विभाग ने स्क्रीनिंग परीक्षा की तिथि 14 अगस्त तय कर दी है। परीक्षा देहरादून और हल्द्वानी 13 केंद्रों पर होगी। अटल स्कूलों में शिक्षकों के 821 पद खाली चल रहे हैं। इनमें एलटी कैडर के 552 और प्रवक्ता कैडर के 268 पद शामिल हैं। जिनमें लंबे समय से तैनाती नहीं हो पाई है। शिक्षा विभाग की ओर से मार्च महीने में शिक्षकों की तैनाती के लिए माध्यमिक स्कूलों में तैनात एलटी और प्रवक्ता कैडर के शिक्षकों से आवेदन मांगे थे। इसके लिए 3382 शिक्षकों ने आवेदन किया है। 55 साल से कम आयु के ऐसे शिक्षकों से आवेदन मांगा गया था, जो अंग्रेजी में शिक्षण के साथ ही संवाद करने में सक्षम हों। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ.मुकुल कुमार सती ने बताया कि परीक्षा देहरादून के सात और हल्द्वानी के छह केंद्रों पर 14 अगस्त को दिन में 11 बजे से 12 बजे तक होगी। इसके लिए देहरादून और नैनीताल के मुख्य शिक्षा अधिकारी को नोडल अधिकारी तैनात किया गया है।

दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित

जयन्त प्रतिनिधि। नई दिल्ली : उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल अपने रेल बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए निरंतर प्रयासरत है। उत्तर रेलवे ने दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर एक महत्वपूर्ण आधुनिकीकरण परियोजना पूरी की है। दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन अब रेल संचालन के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित है। उन्नयन कार्य 21 जुलाई से 28 जुलाई 2025 तक चला। इस प्रमुख उन्नयन परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 25 करोड़ रुपये है।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है, जहां से प्रतिदिन लगभग 104 ट्रेनें चलती/गुजरती हैं (महत्वपूर्ण ट्रेनें जयपुर के लिए डबल डेकर, जम्मू तवी के लिए दुरंतो एक्सप्रेस, यशवंतपुर के लिए दुरंतो

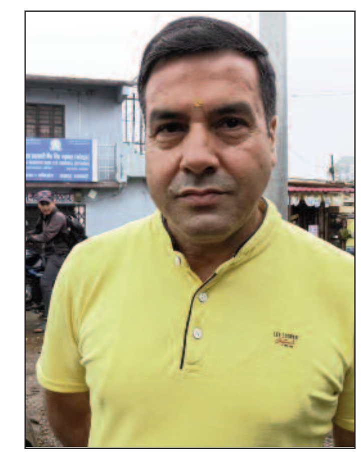

एक्सप्रेस, उदयपुर के लिए चेतक एक्सप्रेस, अजमेर जनशताब्दी आदि) हैं। दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग 30,200 यात्री आते-जाते हैं। उन्होंने बताया कि यार्ड रीमॉडलिंग कार्य (नॉन इंटरलॉकिंग कार्य) एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। दिल्ली सराय रोहिल्ला यार्ड रीमॉडलिंग परियोजना का मुख्य उद्देश्य सुचारू संचालन, परिचालन क्षमता में वृद्धि, सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करना था। एक अतिरिक्त लूप लाइन और दो अतिरिक्त स्टेबलिंग लाइनें प्रदान की गई हैं, जिससे स्टेशन की क्षमता में वृद्धि होगी और अधिक ट्रेनों के संचालन की क्षमता में वृद्धि होगी। ट्रेनों की शंटिंग अधिक सुविधाजनक होगी। परिचालन दक्षता बढ़ाने के अलावा बेहतर सुरक्षा और कनेक्टिविटी के लिए पुरानी इंटरलॉकिंग प्रणाली को वितरित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से बदल दिया गया है। ट्रैक लेआउट का आधुनिकीकरण किया गया है, अर्थात चार टर्नआउट और नौ ट्रैप लगाए गए हैं। इस उन्नयन कार्य में लगभग 300 रेलवे अधिकारी/कर्मचारी और संविदा कर्मचारी शामिल थे। छह जे.सी.बी. और 4 हाइड्रा को सेवा में लगाया गया। रेलवे टीम ने रीमॉडलिंग कार्य को सफल बनाने के लिए दिन-रात काम किया और नियोजित ब्लॉक अवधि के अनुसार कार्य पूरा किया।

परीक्षा परिणाम में हुई त्रुटि को दूर करे विवि प्रशासन

ऋषिकेश। श्रीदेव सुमन विवि परिसर ऋषिकेश में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर एनएसयूआई ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कुलपति को ज्ञापन सौंप परीक्षा परीणामों में हुई त्रुटि को दूर करने सहित अन्य समस्याओं के निदान की मांग की। मंगलवार को ऋषिकेश कॉलेज परिसर में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कुलपति प्रो. एनके जोशी को ज्ञापन दिया।

किशोर स्वास्थ्य दिवस पर हुई 58 छात्रों की हेल्थ स्क्रीनिंग

किशोर स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर आयोजित क्वीज में प्रिया रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में आयोजित किशोर स्वास्थ्य दिवस में 58 किशोरों की बीएमआई स्क्रीनिंग व पोषण सुधार सहित किशोरों से जुड़े मसलों को लेकर काउंसलिंग की गई। इस अवसर पर पोषण में सुधार विषय पर आयोजित क्वीज में प्रिया अव्वल रही।

जखोली ब्लाक के अंतर्गत राइंका सिद्धसौड़ में आयोजित किशोर स्वास्थ्य दिवस के प्रथम सत्र में 58 बच्चों की बीएमआई स्क्रीनिंग व काउंसलिंग की गई। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 10-19 आयु वर्ग के किशोर किशोरियों के स्वास्थ्य को लेकर राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत किशोर स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था विकास की एक महत्वपूर्ण अवस्था है, जिसमें न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक बदलाव के प्रति जागरूक होना बेहद जरूरी है। उन्होंने किशोर अवस्था से संबंधित समस्याओं को लेकर छात्र-छात्राओं की काउंसलिंग भी की। काउंसलर विपिन सेमवाल ने किशोर-किशोरियों से जुड़ी किसी भी समस्याओं की काउंसलिंग हेतु 104 अथवा निटतम किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में सपर्क करने की अपील की। प्रधानाचार्य सैनपाल शर्मा ने आज के प्रतिस्पर्द्धा के दौर में किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम को स्वास्थ्य विभाग की बेहतर पहल बताते हुए छात्रों को पोषण व स्वास्थ्य को लेकर जागरूक होने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर किशोर स्वास्थ्य से लेकर जुड़े मसलों को लेकर आयोजित क्वीज में कक्षा 10 की प्रिया व राजन ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि कक्षा 12 की शिवानी तृतीय स्थान पर रही। विजेता प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर एपिडेमियोलाजिस्ट डॉ. शाकिब हुसैन, जिला आईईसी समन्वयक हरेंद्र सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

फर्जी वोटिंग को लेकर चार घंटे चलता रहा हंगामा

लालकुआं। जयपुर खीमा के मतदान केंद्र पर सोमवार शाम को फर्जी वोटिंग को लेकर विवाद शुरू हुआ। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने तुरंत सतर्कता बरतते हुए केंद्र के बाहर का गेट बंद स्थिति पर काबू पाने का प्रयास किया। इस दौरान बाहर खड़े गुस्साए ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी की। प्रशासन ने मामले में सख्त रुख अपनाते हुए हंगामा करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की बात कही है। सोमवार शाम पोलिंग पार्टियों ने जब बाहर निकलने का प्रयास किया तो गुस्साए ग्रामीणों ने उनके वाहनों का रोक दिया। इस पर बड़ी संख्या में तैनात पुलिस बल की ग्रामीणों से काफी देर तक नोकझोंक हुई। विरोध करने वालों में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं। इस पर महिला फोर्स को मौके पर बुलाया गया। काफी देर तक मौके पर तनाव की स्थिति बनी रही।

जिंप अध्यक्ष के आरक्षण में घालमेल की तैयारी: गोदियाल

देहरादून। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सीडब्ल्यूसी सदस्य गणेश गोदियाल ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार जिला पंचायत अध्यक्ष के आरक्षण में घालमेल कर सकती है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की नीयत साफ होती तो त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना से पहले ही आरक्षण पर स्थिति स्पष्ट कर दी जाती। उन्होंने कहा कि पूरे चुनाव में गड़बड़ियों की तमाम शिकायतें सामने आई हैं। जिससे सरकार की मनसा पर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस मुख्यालय भवन में मंगलवार को प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए गोदियाल ने कहा कि पंचायत चुनाव में जमकर धांधली हुई है। उन्होंने कहा कि जब ब्लाक प्रमुखों के पदों पर आरक्षण तय कर दिया गया है, तो जिला पंचायत अध्यक्ष की प्रक्रिया को किस मनसा से रोका गया है। साफ है कि सरकार चुनाव परिणाम के बाद अपनी सुविधा के अनुसार आरक्षण तय करेगी। उन्होंने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया है।

मनसा देवी दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांगः गोदियाल ने हरिद्वार में मनसा देवी हादसे में मारे गए आठ लोगों की मौत के लिए सरकार की व्यवस्थाओं को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मजिस्ट्रेटी जांच पर यकीन नहीं है, इसलिए पार्टी हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में जांच की की मांग करती है। शिक्षा–स्वास्थ्य मंत्री पर बरसेः गोदियाल ने प्रेसवार्ता में शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री को भी आढ़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले अस्पतालों को पीपीपी मोड पर दिया, यह योजना कुछ समय बाद ही फेल हो गई।

अवैध खनन पर प्रशासन का हंटर

एसडीएम मसूरी पंहुची मौके पर, जेसीबी, पोकलैण्ड सहित 4 वाहन सीज ; 7.20 लाख अर्थदण्ड

देहरादून। जिले के कुठालगेट क्षेत्र में निर्माणाधीन साईट पर अवैध खनन मिलने की शिकायत पर उप जिलाधिकारी मसूरी के नेतृत्व में जिला प्रशासन पुलिस की टीम द्वारा मौके पर जाकर अवैध खनन में सलिंप्त जेसीबी, पोकलैण्ड मशीन तथा खनन का परिवहन कर रहे 2 पिकअप को सील कर कुठालगेट पुलिस चौकी में खड़ा कर दिया तथा जेसीबी, पोकलेण्ड मशीन को मौके पर ही सील करते हुए 7.20 लाख का अर्थदण्ड की कार्यवाही की गई है तथा सम्बन्धित वाहन स्वामियों के विरूद्ध मुकदमें दर्ज कर दिए गए है।

जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देश पर जिला प्रशासन अवैध खनन निरंतर कार्यवाही की जा रही है। जिलाधिकारी द्वारा खनन की शिकायतों के निराकरण हेतु सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। कुठालगेट के समीप जिला प्रशासन को निर्माणाधीन साईट पर अवैध खनन की शिकायतें प्राप्त हो रही थी जिस पर डीएम ने कार्यवाही के निर्देश दिए फलस्वरूप खनन लिप्त वाहन उपकरण सीज करते हुए 7.20 लाख का अर्थदण्ड लगाया है।

पंचायत चुनावों की मतगणना को 1580 कार्मिकों की ट्रेनिंग

हल्द्वानी। आगामी 31 जुलाई को जिले में प्रस्तावित पंचायत चुनाव की मतगणना के लिए हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज सभागार में दो पालियों में 1580 मतगणना कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण जिले के सभी 8 ब्लॉकों की मतगणना प्रक्रिया को सुचारू व त्रुटिरहित संपन्न कराने के लिए आयोजित किया गया। डीडीओ गोपाल गिरी गोस्वामी ने बताया कि मतगणना के लिए जिले में कुल 316 मतगणना पार्टियां बनाई गई हैं। जिनमें प्रत्येक पार्टी में 5 कार्मिक तैनात किए गए हैं। प्रत्येक मतगणना टेबल में एक पर्यवेक्षक व चार मतगणना सहायक नियुक्त किए गए हैं। पहले व दूसरे चरण में 158–158 पार्टियों सहित रिज़र्व टीमों को मिलाकर कुल 1580 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें मतगणना की रूपरेखा, जिम्मेदारियों का विभाजन, गोपनीयता बनाए रखने, त्रुटिरहित गणना व परिणामों की घोषणा की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। डीडीओ ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिटर्निंग ऑफिसर, मतगणना कार्मिकों के साथ प्रभारी मास्टर ट्रेनर एचबी चंद व मतपेटी नोडल अधिकारी राजेन्द्र पांडे मौजूद रहे।

शिक्षक नेता ने मतदान सूची से नाम गायब होने पर जताया आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल निवासी प्राथमिक शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष मनोज जुगरान ने त्रिस्तरीय पंचायत नामावली 2025 से उनका नाम गायब होने पर आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि उनका गांव ग्राम धूरा है जो की ग्राम पंचायत आसूई के अंतर्गत आता है। वह गृह ब्लॉक में ही प्राथमिक विद्यालय कठूड में कार्यरत है और रोज घर से विद्यालय आना जाना करते है। उसके बाबजूद भी उनका नाम त्रिस्तरीय मतदाता सूची से गायब मिला।

मतदान केंद्र जाने से पहले वह अन्य शिक्षक मित्र के साथ चाय पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की चर्चा कर रहे थे। क्योंकि वह भी शिक्षक नेता है। एक जागरूक मतदाता है और गांव की सरकार को नजदीक से जानते है। लेकिन अक्सर चुनाव ड्यूटी के कारण गृह ब्लॉक में मतदान करने का असवर नहीं मिलता। इस बार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दो चरण में होने के कारण मनोज जुगरान और उनके साथ एक अन्य शिक्षक अजय भारती को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अपने मतदान केंद्र में मत प्रयोग करने का अवसर मिला था। दोनों ही एक ग्राम पंचायत से है। उनकी ग्राम पंचायत का प्रधान का चयन तो निर्विरोध हो गया, लेकिन जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायत चुनाव के लिए मतदान हो रहा था। मनोज जुगरान इस बार मतदान करने के लिए बहुत उत्साहित थे। क्योंकि अक्सर चुनाव ड्यूटी के कारण शिक्षकों को अपने चहेते प्रत्याक्षी को बहुत कम मतदान करने का अवसर मिलता है। लेकिन यह अवसर भी उनसे छीन लिया गया है। जैसे मतदान केंद्र में मत प्रयोग करने गए। पता चला कि मतदाता सूची में उनका नाम ही नहीं है।

वह मायूस होकर लौट आए, जबकि उनके साथ गए शिक्षक अजय भारती को मतदान करने का अवसर मिला। यदि समय रहते मनोज जुगरान को मतदाता सूची में नाम न होने की सूचना मिल जाती तो वह स्वयं सक्षम थे कि वह समय रहते अपना नाम पंचस्थानीय मतदाता सूची में दर्ज करवाते।

एवरेस्ट विजेता सचिन को राज्यपाल से सम्मान मिलने पर खुशी जताई

उत्तरकाशी। पीएमश्री राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज उत्तरकाशी के 12वीं के छात्र और एनसीसी कैडेट सचिन देहरादून राजभवन में आयोजित सम्मान समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। सचिन ने मात्र 16 वर्ष की आयु में गत 18 मई 2025 को विश्व के सवोच्च पर्वत शिखर मॉउंट एवरेस्ट का सफल आरोहण किया था। डुंडा के दडमाली पुजारगांव धनारी के सचिन को सम्मान मिलने पर जनपदवासियों ने खुशी व्यक्त की है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य, मुख्य शिक्षा अधिकारी अमित कोटियाल, जिला शिक्षा अधिकारी शैलेन्द्र अमोली, बीईओ भटवाड़ी हर्षा रावत, सहित एनसीसी बटालियन उत्तरकाशी कमान अधिकारी कर्नल मयंक धस्माना, एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल एलबी मल्ल, कीर्ति इंटर के प्रधानाचार्य एवं एनसीसी अधिकारी कैप्टेन एलपीएस परमार आदि ने राज्यपाल के हाथों सचिन को पुरस्कार मिलने पर खुशी जाहिर जताई।

मुख्यमंत्री ने खटीमा में 26.23 करोड़ से निर्मित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय का किया लोकार्पण

2019 से खटीमा में संचालित केंद्रीय विद्यालय को मिला अपना भवन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को खटीमा में अखिल भारतीय शिक्षा समागम के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 26.23 करोड़ की लागत से निर्मित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, खटीमा का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में पौध रोपण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सभी के लिए हर्ष और गौरव के क्षण हैं। देश में शिक्षा के क्षेत्र में आई नई क्रांति के 5 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर खटीमा में भी ज्ञान और विज्ञान के नए युग का आरंभ हो रहा है। मुख्यमंत्री ने खटीमा को केंद्रीय विद्यालय की सौगात देने के लिए सभी खटीमा वासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय की शिक्षा हमारी सेना, अर्धसैनिक बलों तथा उन तमाम कार्मिकों के बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। कहा कि यदि मेरे छात्र जीवन के दौरान खटीमा में केंद्रीय विद्यालय होता, तो वो स्वयं भी केन्द्रीय विद्यालय के छात्र होते। खटीमा के छात्र-छात्राओं को शिक्षा के लिए यहां से पलायन न करना पड़े, इसके लिए उन्होंने विधायक रहते हुए खटीमा में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए हर संभव प्रयास किए और आज उसी विद्यालय को अपना भवन भी मिल गया है।

उन्होंने कहा कि खटीमा क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से यहां के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलने और उनके समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में घृणित मानसिकताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। राज्य में सख्त दंगारोधी और धर्मांतरण विरोधी कानून को लागू किया गया है। राज्य में साढ़े छह हजार एकड़ से अधिक की सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। 200 से अधिक अवैध मदरसों को सील करने के साथ 500 से अधिक अवैध संरचनाओं को भी हटाया है। इस मौके पर मेयर विकास शर्मा, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद जोशी, जिलाध्यक्ष भाजपा कमल जिंदल, पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा, राजेश शुक्ला, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा सहित शिक्षक व छात्र-छात्राएं आदि मौजूद रहे।

जीरो टॉलनेंस की नीति के तहत हो रहे कार्य

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश में ऑपरेशन कालनेमि भी प्रारंभ किया है, जिसके माध्यम से हम राज्य में सनातन धर्म को बदनाम करने वाले पाखंडियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। राज्य में समान नागरिक संहिता कानून लागू किया गया है। इसके साथ राज्य के 23 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी देने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य से भ्रष्टाचार रूपी दीमक को जड़ से समाप्त करने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि पिछले तीन वर्षों में हमने भ्रष्टाचार में लिप्त आईएएस, पीसीएस सहित करीब 200 से अधिक लोगों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने विकल्प रहित संकल्प को पूर्ण करने हेतु निरंतर प्रयास कर रही है।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com